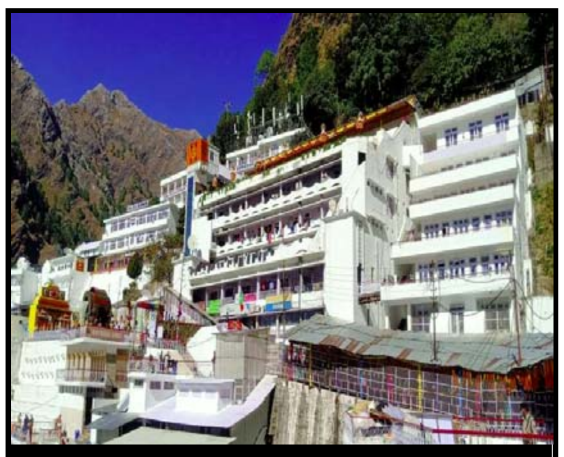

श्री माता वैष्णो देवी भवन में भगदड़ में मारे गए सभी 12 श्रद्धालुओं की पहचान कर ली गई है। इसी बीच प्रदेश के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हादसे में मारे जाने वाले श्रद्धालुओं के परिजनों को 10 लाख रुपये और घायलों को दो लाख रुपये देने का ऐलान किया है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः27 अंकः 22 दिनांकः 02-01-2022 रविवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

तीसरी लहर का खतरा बढ़ा, महाराष्ट्र में 9,170, दिल्ली में 2,716 और बंगाल में 4,512 मामले मिले

वैष्णो देवी हादसे में 12 लोगों की मौत, मृतकों में दिल्ली-एनसीआर के चार लोग भी शामिल

जम्मू (ईएमएस)। नए साल के पहले दिन जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी तीर्थ क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 12 से ज्यादा घायल हो गए। इन 12 मृतकों में दिल्ली-एनसीआर के भी चार लोग शामिल हैं। इनमें दो दिल्ली, एक गाजियाबाद और एक गौतमबुद्ध नगर से हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, भगदड़ बीती रात करीब ढाई बजे मंदिर के गर्भगृह के बाहर गेट नंबर तीन के पास हुई। माता वैष्णों देवी मंदिर जम्मू से करीब 50 किलोमीटर दूर त्रिकुट पर्वत पर स्थित है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में से सात की पहचान उत्तर प्रदेश के श्वेता सिंह (35), धर्मवीर सिंह (35), विनीत कुमार (38), अरुण प्रताप सिंह (30), मोनू शर्मा (32), महेंद्र सिंह (26), नरेंद्र कश्यप (40) और दिल्ली के दो निवासी विनय कुमार (24) और सोनू पांडे (24), हरियाणा की ममता (38) और जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के धीरज कुमार (26) रूप में हुई है। एक मृतक की अभी पहचान नहीं हो पाई है।

दिल्ली-एनसीआर के मृतकों की लिस्ट

1. श्वेता सिंह (35 वर्ष), पत्नी विक्रांत सिंह, निवासी गाजियाबाद
2. विनय कुमार (24 वर्ष) पुत्र महेश चंद्र, निवासी बदरपुर, दिल्ली
3. सोनू पांडेय (24 वर्ष) पुत्र नरेंद्र पांडेय, निवासी बदरपुर, दिल्ली
4. मोनू शर्मा (32 वर्ष) पुत्र फेरू मल, निवासी नया मोहल्ला, दादरी, गौतमबुद्धनगर

यह घटना आज शनिवार तड़के 2.30 बजे के करीब घटी। भगदड़ मचने के कारणों का अभी तक स्पष्ट रूप से पता नहीं चल पाया है परंतु सूत्रों का कहना है कि गेट नंबर 3 के बाहर दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी हुई थी। नववर्ष पर माता वैष्णो देवी के दर्शनों के लिए यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हुए थे। फिलहाल यात्रा को कटड़ा से रोक दिया गया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा स्थिति पर पूरी नजर रखे हुए हैं। उन्होंने घटना की जानकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंदत्री अमित शाह को भी दी। गृह मंत्री अमित शाह से बात करने के उपरांत उपराज्यपाल ने भगदड़ मचने के कारणों का पता लगाने के लिए उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए।

भगदड़ हादसे की जांच के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यहां हुई मौतों की जांच के लिए उच्च स्तरीय कमेटी गठित करने के आदेश जारी कर दिए हैं। जांच कमेटी की अध्यक्षता प्रिंसिपल सेक्रेटरी (गृह) करेंगे। इसके अलावा एडीजीपी जम्मू और डिवीजनल कमिश्नर जम्मू भी इसके सदस्य होंगे। यही नहीं उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिजनों को 10 लाख रुपए जबकि घायलों को 2 लाख रुपए देने का एलान भी किया है।

वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, पीएमओ में राज्यमंत्री डॉ जितेंद्र सिंह भी लगातार इस मामले पर नजर रखे हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगदड़ में जान गंवाने वाले प्रत्येक शख्स के परिवार को पीएम फंड से 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने का एलान किया। प्रधानमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और घायलों को हर संभव चिकित्सकीय मदद और सहायता प्रदान करने के निर्देश भी दिए।

सपा की सरकार बनी तो 300 यूनिट बिजली मुफ्त देंगे, किसानों को भी फ्री मिलेगी बिजली : अखिलेश

लखनऊ (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी चुनाव से पहले बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने अपने चुनावी वादे में घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा जोड़ा है। इसके साथ ही यह दावा भी किया है कि किसानों को सिंचाई के लिए बिजली मुफ्त मिलेगी।

इससे पहले समाजवादी पार्टी (सपा) ने ट्वीट कर हादसे में मरने वाले साइकल सवारों को 5-5 लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की थी। पार्टी ने ट्वीट कर कहा था, साइकल से चलने वालों की एक्सिडेंट में मौत होने पर भविष्य की समाजवादी पार्टी की सरकार 5 लाख रुपए मुआवजा देगी। इस बार समाजवादी पार्टी ने मुफ्त बिजली का वादा किया है।

यूपी में अगले साल होने वाले चुनाव के लिए पार्टियों की ओर से राजनीतिक घोषणाओं और वादों का दौर जारी है। बिजली को लेकर इससे पहले यूपी के सियासी दंगल में जोर लगा रही आम आदमी पार्टी भी 300 यूनिट फ्री और किसानों के लिए निशुल्क बिजली का ऐलान कर चुकी है। इस दौरान अखिलेश यादव ने सरकार बनने पर घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट फ्री देने का ऐलान किया। इसके साथ ही सिंचाई पूरी फ्री होगी। यह सब घोषणा पत्र में शामिल होगा। अखिलेश ने बीजेपी पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 2021 को खराब साल बना दिया। बीजेपी जब पिछड़ने लगी तो अब छापे डलवा रही है। उन्होंने कहा कि जिस पर पहले छापा पड़ा था औ- रकम निकलने लगी तो उसे सपा का बताया गया। इन्हें छापा तो सपा के लोगो पर मारना था लेकिन खुद अपने लोगो पर छापा मार दिया। वह उन्हीं का आदमी निकला। भाजपा खीज निकालने के लिये अब सपा व्यापारी के यहां छापा मारा। इससे पहले सामाजिक परिवर्तन रथयात्रा लेकर निकले प्रगतिशील समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव ने भी सहसों के भोपतपुर स्थित बाग में आयोजित जनसभा में ऐलान किया था कि हमारी सरकार बनने हर परिवार से एक व्यक्ति को नौकरी और 300 यूनिट फ्री में बिजली और उच्च शिक्षा प्राप्त बेरोजगारों को स्वरोजगार के लिए पांच लाख रुपये का पैकेज दिया जाएगा।

भिवानी भूस्खलन में 3 की मौत, कई के मलबे में दबने की आशंका

-मलबे में चार खनन मशीन समेत कई अन्य वाहन भी दबे हुए हैं

भिवानी(ईएमएस)। हरियाणा के भिवानी जिले के डाडम में खनन के दौरान पहाड़ का बड़ा हिस्सा ढहने से तीन लोगों की मौत हो गई जबकि दो गंभीर रूप से घायल हुए हैं जिन्हें हिसार में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने बताया कि कुछ और भी लोगों के मलबे में दबे होने की आंशका है। मलबे में चार खनन मशीन समेत कई अन्य वाहन भी दब गए हैं। डाडम गांव में सुबह करीब आठ बजे खनन कार्य के दौरान पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा अचानक से ढह गया, जिसकी वजह से वहां खड़ी करीब आधा दर्जन पोपलैंड मशीनें व डंफर दब गए। प्रशासन मलबे से लोगों को निकालने के लिए राहत और बचाव कार्य कर रहा है। तहसीलदार रविंद्र कुमार ने बताया, मलबे से तीन शव निकाले जा चुके हैं, मृतक छत्तीसगढ़ और राजस्थान के मजूदर हैं।

घटना की सूचना मिलने के बाद कृषि मंत्री जेपी दलाल भी घटनास्थल पर पहुंचे और मौके का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को राहत कार्य में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतने के आदेश दिए। भिवानी से लोकसभा सदस्य धर्मबीर सिंह भी मौके पर पहुंच गए हैं। उपायुक्त आरएस ढिल्लो और पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत सीटीएम हरबीर सिंह भी मौके पर मौजूद हैं। प्रत्यक्षदर्शी व पिंजोखरा गांव निवासी चालक सतपाल ने बताया कि संभलने का मौका ही नहीं मिला, अचानक घटना हुई और चारो तरफ धूल का गुब्बार उठा जिससे कुछ नजर नहीं आ रहा था। उन्होंने बताया कि धमाके के साथ गिरे पत्थर से उसका डंपर भी करीब 20 फीट आगे खिसक गया। सतपाल ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं हो रहा कि वह जिंदा हैं। घटनास्थल पर मौजूद खानक निवासी जसवंत ने बताया, '' खनन स्थल पर शनिवार सुबह चार पोपलैंड मशीनें और चार डंपर मौजूद थे, मैं भी वहीं अपने डंपर में था। करीब साढ़े नौ बजे अचानक धूल का गुब्बार उठा और जोरदार धमाके के साथ पहाड़ से बड़े-बड़े पत्थर आकर गिरने लगे, यह करीब दो मिनट चला। लगा जैसे कि अब कुछ नहीं बचेगा।'' हरियाणा के मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस घटना को लेकर जिला प्रशासन के निरंतर संपर्क में है। उन्होंने ट्वीट किया, ''भिवानी के डाडमखनन क्षेत्र में भूस्खलन की घटना से दुखी हूं। मैं लगातार स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हूं, ताकि तेजी से बचाव अभियान सुनिश्चित किया जा सके और घायलों की तत्काल सहायता की जा सके।'' उल्लेखनीय है कि तोशाम क्षेत्र के डाडम में पत्थर का खनन होता है और करीब दो महीने की रोक के बाद खनन का कार्य शुरू हुआ था।

पीएम ने किसान की 10वीं किस्त जारी की, 10 करोड़ किसान परिवारों को 20,000 करोड़ रु धनराशि भेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। जमीनी स्तर के किसानों को सशक्त बनाने की निरंतर प्रतिबद्धता और संकल्प के अनुरूप, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के तहत वित्तीय लाभ की 10वीं किस्त जारी की। इससे 10 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसान परिवारों को 20,000 करोड़ रुपये से अधिक धनराशि अंतरित की गई। कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने लगभग 351 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को 14 करोड़ रुपये से अधिक का इक्विटी अनुदान भी जारी किया। इससे 1.24 लाख से अधिक किसानों को लाभ होगा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने एफपीओ से बातचीत की।

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर तथा कई राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, कृषि मंत्री एवं किसान इस कार्यक्रम से जुड़े हुए थे। उत्तराखंड के एफपीओ के साथ बातचीत करते हुए, प्रधानमंत्री ने उनके द्वारा जैविक खेती को अपनाए जाने तथा जैविक उत्पादों के प्रमाणीकरण के तरीकों के बारे में पूछताछ की। उन्होंने एफपीओ के जैविक उत्पादों के विपणन के बारे में भी बात की। एफपीओ ने प्रधानमंत्री को बताया कि वे जैविक खाद की व्यवस्था किस प्रकार करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास रहा है कि प्राकृतिक और जैविक खेती को व्यापक रूप से बढ़ावा दिया जाए क्योंकि इससे रासायनिक उर्वरक पर निर्भरता कम होती है और किसानों की आय में वृद्धि होती है। पंजाब के एफपीओ ने प्रधानमंत्री को पराली को बिना जलाए निपटाने के तरीकों के बारे में बताया। उन्होंने सुपरसीडर और सरकारी एजेंसियों से मदद के बारे में भी बात की। प्रधानमंत्री ने इसकी प्रशंसा की कि पराली प्रबंधन के उनके अनुभव का हर जगह अनुकरण किया जाए। राजस्थान के एफपीओ ने शहद उत्पादन के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि नैफेड की मदद से एफपीओ की अवधारणा उनके लिए बहुत उपयोगी रही है।

उत्तर प्रदेश के एफपीओ ने किसानों की समृद्धि की नींव के रूप में एफपीओ बनाने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने सदस्यों को बीज, जैविक खाद, विभिन्न प्रकार के बागवानी उत्पादों में मदद करने की अपनी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। उन्होंने किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करने के बारे में भी चर्चा की। उन्हें ई-नाम की सुविधा का लाभ मिल रहा है। उन्होंने किसानों की आय दोगुनी करने के प्रधानमंत्री के सपने को पूरा करने का वादा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के किसान का आत्मविश्वास देश का सबसे बड़ा सामर्थ्य है।

तमिलनाडु के एफपीओ ने बताया कि नाबार्ड के समर्थन से, उन्होंने बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिए एफपीओ का गठन किया और एफपीओ पूरी तरह से महिलाओं के स्वामित्व में संचालित है। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि क्षेत्र में मौसम की स्थिति के कारण ज्वार का उत्पादन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नारी शक्ति की सफलता उनकी अदम्य इच्छा शक्ति का संकेत है। उन्होंने किसानों से बाजरे की खेती का लाभ लेने को कहा।

गुजरात के एफपीओ ने प्राकृतिक खेती और गोवंश आधारित खेती के माध्यम से लागत घटाने और मिट्टी पर तनाव को कम करने के बारे में चर्चा की। इस अवधारणा से क्षेत्र के जनजातीय समुदाय भी लाभान्वित हो रहे हैं।

पंजाब- विपक्षी असंतुष्ट नेता थाम रहे भाजपा का दामन, शहरी सीटों पर निगाहें

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब में कांग्रेस के कुछ विधायकों ने गैर-सिख मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए एक सोची-समझी रणनीति के तहत भाजपा में शामिल होने के लिए अपनी पार्टी छोड़ दी, जिनके बारे में कहा जाता है कि उनका झुकाव भारतीय जनता पार्टी की ओर है। कांग्रेस के दो विधायक बलविंदर सिंह लड्डी और फतेह जंग सिंह बाजवा अपने 13 समर्थकों के साथ मंगलवार को भाजपा में शामिल हो गए। उनसे पहले राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी पिछले हफ्ते भाजपा में शामिल हुए थे।

भाजपा में शामिल होने के लिए अपनी पार्टियों को छोड़ने वाले अन्य लोगों में कांग्रेस के पूर्व लोकसभा सदस्य राजदेव खालसा, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के वरिष्ठ नेता और तीन बार के पूर्व विधायक गुरतेज सिंह घुरियाना शामिल हैं।

सूत्रों ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के वफादार भाजपा में शामिल हो रहे हैं, क्योंकि वे 2022 का विधानसभा चुनाव भाजपा के गढ़ों से या उन सीटों से लड़ना चाहते हैं, जहां से उन्हें लगता है कि भाजपा का वोट प्रतिशत अधिक है।

सूत्रों ने बताया कि राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी फिरोजपुर शहर की शहरी सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे, जहां भाजपा अकाली भाजपा गठबंधन के दौरान चुनाव लड़ती थी और इसी तरह फतेह जंग सिंह बाजवा भी गैर-सिख वोट वाली सीट से लड़ना चाहते हैं और प्रधानमंत्री की लोकप्रियता के बलबूते जीत दर्ज करना चाहते हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस के पूर्व नेता अमरिंदर सिंह और सुखदेव सिंह ढींडसा की शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) मिलकर पंजाब विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पंजाब लोक कांग्रेस (पीसीएल) के साथ गठबंधन में भाजपा की ओर से शहरी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की उम्मीद है। भगवा पार्टी के सूत्रों ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री की पंजाब लोक कांग्रेस ग्रामीण क्षेत्रों में विधानसभा क्षेत्रों से अपने उम्मीदवार उतारेगी। हालांकि, दोनों दलों ने विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ने की घोषणा की है, लेकिन उन्होंने अभी तक सीट बंटवारे के फॉमूर्ले की घोषणा नहीं की गई है।

सर्दी से ठिठुरा उत्तर भारत, शीतलहर के बीच दिल्ली में चार डिग्री पर पहुंचा पारा

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर भारत में सर्दी का सितम जारी है। जनवरी के पहले ही दिन राजधानी दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान ठंड से ठिठुर रहे हैं। शीतलहर के प्रकोप के बीच दिल्ली में शनिवार 01 जनवरी को न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया है कि अगले कुछ दिन तक ऐसी ही स्थिति रहने की संभावना है।

मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, दिल्ली में अगले 5 दिन अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने और हल्का कोहरा छाने का पूर्वानुमान है। दिल्ली में अगले 2 दिन न्यूनतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, नॉर्थ राजस्थान और पश्चिम उत्तर प्रदेश में 5 से 7 जनवरी के दौरान हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं, मध्य प्रदेश और गुजरात के स्थानों पर 06 और 07 जनवरी के दौरान मौसम बदलने की संभावना है। पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और मध्य महाराष्ट्र में नए साल की पहली सुबह घने कोहरे के साथ हुई।

पंजाब और हरियाणा में ज्यादातर स्थानों पर कड़ाके की ठंड पड़ रही है। न्यूनतम तापमान सामान्य से कम दर्ज किया जा रहा है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, हरियाणा में हिसार तेज ठंड की चपेट में है। वहीं, पंजाब में न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। आईएमडी ने उत्तर-पश्चिम भारत में तीन जनवरी तक शीतलहर से भीषण शीतलहर चलने का अनुमान जताया है। मध्य प्रदेश के भी कई हिस्सों में शीतलहर की प्रकोप जारी है। उत्तरी हवा चलने से ठिठुरन का अहसास ज्यादा हो रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अभी कोहरा छाने के साथ ठिठुराने वाली सर्दी का दौर जारी रहेगा।

आईएमडी मैदानी क्षेत्र में न्यूनतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस रहने पर शीतलहर की घोषणा करता है। न्यूनतम तापमान के 10 डिग्री सेल्सियस या उससे कम तथा सामान्य से 4.5 डिग्री कम रहने पर भी शीतलहर की घोषणा की जाती है। बारिश ने चेन्नई व अन्य शहरों में लोगों के लिए मुसीबत पैदा कर दी है। भारी बारिश से सड़कों पर पानी भर गया है, जिसके चलते यातायात बाधित हुआ है। मौसम विभाग ने चेन्नई के अलावा कांचीपुरम, तिरुवल्लूर व चेंगलपट्टू में भी भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।

पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और ठंडी हवाओं के असर से राजस्थान के अधिकतर हिस्सों में न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, चूरू में 2।5 डिग्री सेल्सियस, हनुमानगढ़ में 3।4 डिग्री सेल्सियस, अलवर में 4 डिग्री सेल्सियस और सीकर में 6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

तमिलनाडु की पटाखा फैक्ट्री में आग लगी चार की मौत 8 घायल

नई दिल्ली (ईएमएस)। तमिलनाडु की पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि इस घटना में चार श्रमिकों की मौत हुई है और आठ अन्य घायल हुए हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने प्रारंभिक सूचना का हवाला देते हुए बताया कि तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में स्थित एक पटाखा फैक्ट्री परिसर में अज्ञात कारणों से आग लग गई और इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। इसमें एक व्यक्ति बुरी तरह घायल हो गया है। जानकारी के मुताबिक, व्यक्ति 20 प्रतिशत झुलस गया है, जिसके बाद उसे दूसरे अस्पताल रिफर किया गया है। वहीं अन्य को मामूली चोट आई है। उन्होंने कहा कि यह फैक्ट्री यहां से करीब 30 किलोमीटर दूर एक गांव में स्थित है और मामले की जांच की जा रही है और दुर्घटना के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।

महाराष्ट्र के 10 मंत्रियों और 20 से ज्यादा विधायकों को हुआ कोरोना, पवार ने दिए सख्त पाबंदी लागू करने के संकेत

मुंबई (ईएमएस)। भारत समेत दुनिया के लगभग सभी देशों में कोरोना वायरस ने कोहराम मचा दिया है। महाराष्ट्र में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बताया कि महाराष्ट्र में अबतक 10 मंत्रियों और 20 से ज्यादा विधायकों कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने और भी ज्यादा पांबिदयां लगाने के संकेत दिए हैं।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि अगर राज्य में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ती रही तो सरकार को और भी पाबंदियां लगानी पड़ सकती है। उपमुख्यमंत्री ने पाबंदियां लगाए जाने से जुड़े सवाल पर कहा कि राज्य सरकार मरीजों की बढ़ती संख्या पर नजर रख रही है।

यदि मरीजों की संख्या बढ़ती रही तो सख्त पाबंदियां लागू की जाएंगी। सख्त पाबंदियों से बचने के लिए हर व्यक्ति को नियमों का पालन करना चाहिए। महाराष्ट्र में शुक्रवार को कोरोना संक्रमण के 8,067 नए मामले दर्ज किए गए, जो एक दिन पहले के मुकाबले में 50 प्रतिशत अधिक हैं। वहीं, पिछले 24 घंटे में 8 लोगों ने दम तोड़ा है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि नए मामले में 4 ओमीक्रोन से संक्रमित मरीज भी शामिल हैं।

किसान सशक्तिकरण के बिना देश का समग्र विकास असंभव हैः गृहमंत्री अमित शाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने वर्ष 2022 के पहले ही दिन क्षइश्ख्र्ईं के तहत 10 करोड़ किसानों के ख़ातों में 20 हज़ार करोड़ रूट्रांसफ़र करने को किसान कल्याण को प्राथमिकता देने वाला क़दम बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने ट्वीट्स के माध्यम से कहा कि ''किसान सशक्तिकरण के बिना देश का समग्र विकास असंभव है और एक किसान हितैषी सरकार कैसी होती है, ये देश ने पिछले 7 साल से किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु निरंतर अहर्निश प्रयास कर रही मोदी सरकार के रूप में देखा है। उन्होंने कहा कि ''?क्षइश्र्खेंह योजना ने खेती के सबसे महत्वपूर्ण समय पर किसानों को आर्थिक संबल देकर उन्हें कर्जमुक्त रखने का बहुत बड़ा काम किया है।''

हमारी अर्थव्यवस्था की विकास दर 8 प्रतिशत से भी ज्यादा : मोदी

-पीएम बोले- भारत में रिकॉर्ड विदेशी निवेश आया, जीएसटी कलेक्शन में भी पुराने रिकॉर्ड हुए ध्वस्त

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज जब हम नव वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, तब बीते साल के अपने प्रयासों से प्रेरणा लेकर हमें नए संकल्पों की तरफ बढ़ना है। इस साल हम अपनी आजादी के 75 वर्ष पूरे करेंगे। ये समय देश के संकल्पों की एक नई जीवंत यात्रा शुरू करने का है। पीएम मोदी ने शनिवार को पीएम किसान सम्मान निधि की 10वीं किस्त सीधे किसानों के खातों में हस्तांतरित की। इस दौरान उन्होंने वैष्णो देवी में हुए हादसे पर सबसे पहले दुख जताया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने भगदड़ में अपनों को खोया है, जो घायल हैं मेरी संवेदनाएं उनके साथ हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, जम्मू-कश्मीर प्रशासन के लगातार संपर्क में है। मेरी लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा जी से भी बात हुई है। राहत के काम का, घायलों के उपचार का पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज देश के करोड़ो किसान परिवारों को, विशेषकर छोटे किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 10वीं क़िस्त मिली है। किसानों के बैंक खातों में 20 हजार करोड़ रूपए ट्रांसफर किए गए हैं। आज हमारे किसान, किसान उत्पाद संघ इससे जुड़े किसानों को आर्थिक सहायता भी भेजी गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कितने ही लोग देश के लिए अपना जीवन खपा रहे हैं, देश को बना रहे हैं। ये काम पहले भी करते थे, लेकिन इन्हें पहचान देने का काम अभी हुआ है। हर भारतीय की शक्ति आज सामूहिक रूप में परिवर्तित होकर देश के विकास को नई गति और नई ऊर्जा दे रही है। उन्होंने कहा कि आज हमारी अर्थव्यवस्था की विकास दर 8 प्रतिशत से भी ज्यादा है। भारत में रिकॉर्ड विदेशी निवेश आया है। हमारा विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है। जीएसटी कलेक्शन में भी पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त हुए हैं। निर्यात और विशेषकर कृषि के मामले में हमने नए प्रतिमान स्थापित किए हैं

गुपकार गठबंधन के विरोध प्रदर्शन से ऐन पहले सरकार का एक्शन

जम्मू (ईएमएस)। शनिवार की सुबह नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती को परिसीमन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने से पहले उनके आवास पर नजरबंद कर दिया गया। उमर अब्दुल्ला ने ट्वीट करते हुए एक तस्वीर भी साझा की और लिखा कि सरकार विरोध प्रदर्शन को दबाने के लिए नेताओं को नजरबंद कर रही है। जम्मू-कश्मीर की राजनीतिक पार्टियों क समूह गुपकर गठबंधन शनिवार को केंद्र सरकार के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन करने वाला था लेकिन इस प्रदर्शन के शुरू होने से पहले ही नेताओं के घरों पर ताले लगा दिए गए और आवास के सामने सुरक्षाबलों की गाड़ियों की तैनाती कर दी गई। जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने गेट पर पुलिस की गाड़ी की तस्वीरें ट्वीट करते हुए लिखा- ठसुप्रभात, 2022 में आपका स्वागत है। एक नया साल, उसी पुरानी जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ जो अवैध रूप से लोगों को उनके घरों में बंद कर रही है, और एक प्रशासन जो सामान्य लोकतांत्रिक गतिविधि से इतना डरा हुआ है कि शांति पूर्ण धरना प्रदर्शन रोक रहा है। प्रदर्शन रोकने के लिए गेट पर जम्मू-कश्मीर पुलिस के बड़े ट्रक खड़े कर दिए हैं। कुछ चीजें कभी नहीं बदलतीं। इसके बाद उन्होंने एक और ट्वीट किया, ठपुलिस के अराजक राज की बात करें तो पुलिस ने मेरे पिता के घर को मेरी बहन के घर से जोड़ने वाले आंतरिक दरवाजे को भी बंद कर दिया है फिर हमारे नेताओं के पास इतनी हिम्मत है कि वह भारत को सबसे बड़ा लोकतंत्र कहते हैं। पीडीपी नेता और बीजेपी के गठबंधन वाली सरकार में मुख्यमंत्री रहीं महबूबा मुफ्ती ने ट्वीट किया, ठभारत सरकार ने अनुच्छेद 370 को खत्म करके जम्मू-कश्मीर को अलग-अलग कर दिया लेकिन जब जम्मू-कश्मीर के लोग इसका विरोध करना चाहते हैं तो यह सरकार डर गई है और असहिष्णु हो गई है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का आयोजन करने की कोशिश के लिए 15वीं बार हमें नज़रबंद किया गया है। गौरतलब है कि ये पार्टियां केंद्र सरकार की ओर से सात नई विधानसभा सीटों के अस्वीकार्य विभाजन के खिलाफ प्रदर्शन करने वाली थीं। 17 फरवरी 2020 को केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा क्षेत्रों की परिसीमन प्रक्रिया शुरू की है जिससे विधानसभा में सीटों की संख्या 107 से बढ़कर 114 हो जाएगी। इनमें से 24 सीटें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लिए आरक्षित हैं। इसके कारण जम्मू क्षेत्र में 6 सीटें बढ़कर 43 हो गई हैं जबकि कश्मीर में सिर्फ़ 1 सीट बढ़ी है और वहां पर 47 सीटें हैं। घाटी की राजनीतिक पार्टियां जम्मू में सीटें बढ़ाने और कश्मीर में जनसंख्या के अनुपात में सीटें न बढ़ाने के खिलाफ विरोध जता रही हैं। पीएजीडी नेतृत्व ने पिछले महीने परिसीमन आयोग के मसौदा प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिसमें जम्मू क्षेत्र में 43 और कश्मीर में 47 के साथ जम्मू और कश्मीर विधानसभा सीटों की कुल संख्या 83 से बढ़ाकर 90 करने का प्रयास किया गया था। मौजूदा विधानसभा में जम्मू में 37 और कश्मीर में 46 सदस्य हैं।

कार्टून कोना

भारत ने पाकिस्तान से 356 भारतीय मछुआरों रिहाई एवं वापसी की मांग की

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने पाकिस्तान से 356 भारतीय मछुआरों और दो आम नागरिक कैदियों की रिहाई एवं उनकी सुरक्षित वापसी की मांग की जिनकी नागरिकता की पहले ही पुष्टि हो गई है एवं पाकिस्तान के प्रशासन को इसकी जानकारी दे दी गई है। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, पाकिस्तान से 182 भारतीय मछुआरों और 17 आम नागरिक कैदियों के लिये तत्काल राजनयिक पहुंच उपलब्ध कराने को भी कहा गया है, जो अभी पाकिस्तान की हिरासत में हैं और जिनके बारे में समझा जाता है कि वे भारतीय हैं।

भारत ने दोनों देशों के बीच मछुआरों एवं आम नागरिक कैदियों की सूची के आदान-प्रदान के परिप्रेक्ष में यह आग्रह किया। दोनों देशों के बीच वर्ष 2008 के समझौता ढांचा के तहत हर वर्ष 1 जनवरी और 1 जुलाई को ऐसा किया जाता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के 282 नागरिक कैदियों एवं 73 मछुआरों की सूची पड़ोसी देश को सौंपी जो भारत की हिरासत में हैं। इसी प्रकार से पाकिस्तान ने उसकी हिरासत में रहने वाले 51 आम नागरिक कैदियों एवं 577 मछुआरों की सूची भारत को सौंपी जिनके बारे में समझा जाता है कि वे भारतीय नागरिक हैं ।

बयान के अनुसार, भारत ने आम नागरिक कैदियों, लापता रक्षा कर्मियों एवं मछुआरों तथा उनकी नौकाओं की जल्द रिहाई एवं उनकी वापसी सुनिश्चित करने को भी पाकिस्तान से कहा है। इसमें कहा गया है कि सरकार ने पाकिस्तान से चिकित्सा दल के सदस्यों के लिये वीजा प्रदान करने में तेजी लाने को कहा है ताकि वे पाकिस्तान में उन कैदियों की मानसिक स्थिति एवं स्वास्थ्य की जांच कर सके जो उसकी जेल में बंद हैं और जिनके बारे में समझा जाता है कि वे भारतीय नागरिक हैं।

मोदी है तो महंगाई है, मोदी और महंगाई देश के लिए नुकसानदायक - कांग्रेस

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने कहा है कि मोदी है तो महंगाई है, मोदी और महंगाई देश के लिए नुकसानदायक हैं। पार्टी ने जूते व फूड डिलेवरी समेत कई वस्तुओं व सेवाओं पर जीएसटी बढ़ाने को लेकर शनिवार को मोदी सरकार पर निशाना साधा। पार्टी ने वोटरों से अपील की कि वे आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को हराएं ताकि महंगाई पर लगाम लग सके।

दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पार्टी प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि केंद्र सरकार ने हिमाचल व कुछ अन्य राज्यों में उपचुनाव में हार के बाद पेट्रोल व डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाई थी। उन्होंने वोटरों से कहा कि वे कम दर वाली जीएसटी प्रणाली लाने के लिए अपने मताधिकार का बुद्धिमानी से इस्तेमाल करें।

सुरजेवाला ने जीएसटी काउंसिल द्वारा शुक्रवार की आपात बैठक में कपड़ों पर जीएसटी 5 फीसदी से बढ़ाकर 12 फीसदी करने का फैसला टालने का श्रेय कांग्रेस को देने का प्रयास किया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पांच राज्यों के चुनाव निपटने के बाद कर दरों में बढ़ोतरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार बजट पेश करने के पहले कर बढ़ा देती है, ताकि बाद में वह टैक्स फ्री बजट पेश करने का दावा कर सके।

उन्होंने कहा कि याद रखें कपड़ों पर जीएसटी बढ़ाने का फैसला अभी वापस नहीं लिया गया है, बल्कि उसे टाला गया है। चुनाव तक यह निर्णय स्थगित किया गया है, एक बार चुनाव होने के बाद टैक्स बढ़ा दिया जाएगा।

कांग्रेस प्रवक्ता ने यह भी कहा कि जीएसटी दरों में वृद्धि के कारण जूते, ऐप के जरिए टैक्सी और ऑटो-रिक्शा किराए पर लेना, फूड डिलेवरी ऐप से खाना ऑर्डर करना, बच्चों के लिए ड्राइंग किट और एटीएम से नकदी निकालना एक जनवरी से महंगा हो गया है। सुरजेवाला ने दावा किया कि 2014 में जब से पीएम नरेंद्र मोदी सत्ता में आए हैं, तब से चाय पत्ती, दालें, खाने का तेल, रसोई गैस और यहां तक की नमक तक महंगा हो गया है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने पांच राज्यों के वोटरों से खासतौर से कहा, 'याद रखें कि यदि मोदी है तो महंगाई है, मोदी और महंगाई देश के लिए नुकसानदायक हैं।' इसके साथ ही उन्होंने पांच राज्यों के आगामी चुनाव में भाजपा को परास्त करने की भी अपील की।

जन हितैषी

संकट की आहट

कुछ दिनों पहले रैकिट, यूनिलीवर और पामोलिव जैसी कंपनियों के लाखों वितरकों और बिक्री एजेंटों से जुड़ी एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी। इसमें कहा गया था कि किराना स्टोर लगातार बड़े घरानों के खुदरा कारोबार के साथ सीधे जुड़ रहे हैं। इस वजह से मध्यस्थों की बिक्री में 20 से 25 प्रतिशत की गिरावट आई है। इससे आपूर्ति शृंखला पर बुरा असर पड़ा है। देश में करीब साढ़े चार लाख लोग हैं जो बतौर बिक्री एजेंट गांव और शहर के कोने-कोने में जाकर किराना स्टोर से सामान का आर्डर लेकर उन्हें माल पहुंचाते रहे हैं। अब तकनीक के जरिए किराना दुकानदार सीधे माल मंगा सकते हैं। जियो मार्ट एप के जरिये किराना दुकानदार अपनी दुकान से ही आर्डर करते हैं और 24 घंटे में उन्हें माल पहुंच जाता है। मध्यस्थों की तुलना में कंपनी दुकानदारों को ज्यादा सस्ता माल देती है, क्योंकि बीच वाले मध्यस्थ की कमाई उस कीमत में शामिल नहीं होती है। बड़ी खरीदार कंपनियां बड़े पैमाने पर मूल कंपनियों से माल लेकर सीधे किराना दुकानदारों को बेच रही हैं। इससे छोटे मध्यस्थों का धंधा चौपट हो रहा है। जाहिर है, किराना दुकानवाले या कोई भी ग्राहक माल वहीं से लेगा, जहां से सस्ता मिलेगा। इससे उन छोटे मध्यस्थों को अड़चन हो रही है, जो पहले ज्यादा भावों पर अपना मार्जिन मोटा रख कर किराना दुकानों को माल बेचते थे। अब किराना दुकानों को अगर वही माल बड़ी कंपनियां अपनी तकनीक और पैमाने के चलत सस्ते में दे रही हैं, तो फिर पुराने मध्यस्थों की तरफ कौन रुख करेगा। जिस तरह के हालात बनते जा रहे हैं उनमें छोटे बिचौलिए कारोबारी तभी टिक सकते हैं जब वे भी बड़ी कंपनियों की तरह से माल सस्ता दें। पर इसके लिए जरूरी है कि उन्हें भी कंपनियों से सस्ता माल मिले। कंपनियां बड़े घरानों की कंपनियों को तो सस्ता माल दे सकती हैं, क्योंकि वे बहुत बड़ी ग्राहक होती हैं। बड़ी कंपनियों के पैमाने, आपूर्ति कौशल, तकनीक का मुकाबला छोटे मध्यस्थ नहीं कर सकते। यानी छोटे मध्यस्थ ठीक उस भाव में तमाम कंपनियों से सामान नहीं ले सकते, जिस भाव पर बड़ी कंपनियां कर लेती हैं और अपनी तकनीक के जरिए किराना दुकानों तक पहुंचा देती हैं। इसका कारण साफ है। बड़ी कंपनी तकनीक में बड़ा निवेश कर सकती है, लेकिन वैसा निवेश कर पाना छोटे मध्यस्थों के लिए संभव ही नहीं है। निवेश का मूल सिद्धांत है कि कंपनियों को मुनाफा कमाना चाहिए। कंपनियां मुनाफा कमाएंगी तो निवेशकों को उस मुनाफे में हिस्सा मिलेगा और संबंधित कंपनी के शेयरों के भाव ऊपर जाएंगे। कम मुनाफा या कोई मुनाफा नहीं होने की स्थिति में किसी भी कंपनी से उम्मीद चाहे जितनी लगा ली जाएं, पर असल में वह कंपनी अपने निवेशकों को दीर्घकाल में शानदार प्रतिफल ना दे पाएगी। तकनीक अपने आप में बहुत कुछ है, मगर सब कुछ नहीं है। तकनीक की उपलब्धता का मतलब यह नहीं है कि सब कुछ मुनाफे में ही आ जाएगा। जैसे पेटीएम वाली कंपनी का शेयर जिस भाव पर जारी किया गया, वह ऊंचाई यह शेयर बरकरार नहीं रख पाया और नीचे आ गया। यानी जिसने भी पेटीएम से मुनाफा कमाने की सोची, वह परेशान हुआ। जिस तरह तकनीक आधारित कारोबारों के प्रति निवेशक आकर्षित हो रहे हैं, उसे देख कर यह लगता है कि तकनीक के प्रति तार्किक रुख निवेशकों को अपनाना चाहिए।

तमिल खुद सीखेंगे हिंदी

हिंदी को लेकर तमिलनाडु में फिर बवाल मच सकता है। केरल तथा कुछ अन्य प्रांतों में उनके राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों में पहले से भिड़ंत हो रही है। उस भिड़ंत का मुद्दा þ– विश्वविद्यालयों के उप-कुलपतियों की नियुक्ति लेकिन तमिलनाडु में मुद्दा यह बन गया है कि उसकी पाठशालाओं में केंद्र का त्रिभाषा-सूत्र लागू किया जाए या नहीं? राज्यपाल आर.एन. रवि ने तमिलनाडु की सभी शिक्षा-संस्थाओं को निर्देश दिया है कि वे अपने विद्यार्थियों को तमिल, हिंदी और अंग्रेजी अनिवार्य रुप से पढ़ाएं। लेकिन तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कड़गम सरकार का कहना है कि वह बच्चों की पढ़ाई में हिंदी को अनिवार्य नहीं करेगी। हिंदी का विकल्प खुला रहेगा। जो बच्चा पढ़ना चाहेगा, वह पढ़ेगा। किसी भाषा को किसी भी राज्य पर थोपना गलत है। द्रमुक के स्वर में स्वर मिलाते हुए तमिलनाडु की भाजपा ने भी हिंदी की अनिवार्य पढ़ाई का विरोध किया है। गत वर्ष जब एम.के. स्तालिन मुख्यमंत्री बने, तभी उन्होंने कह दिया था कि वे नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा-सूत्र को लागू नहीं करेंगे। हमें सोचना चाहिए कि अकेले तमिलनाडु के नेता इस तरह की घोषणाएं क्यों कर रहे हैं? इसका एक मात्र कारण है, उस प्रांत की हिंदी-विरोधी राजनीति! हिंदी-विरोध के दम पर ही तमिलनाडु की राजनीति चलती रही है। अन्नादुरई, करुणानिधि, जयललिता और स्तालीन आदि हिंदी-विरोध के दम पर ही वहां मुख्यमंत्री बने हैं। 1965-66 में जब मेरे अंतरराष्ट्रीय राजनीति के शोधग्रंथ को हिंदी में लिखने की बात उठी थी तो अन्नादुरई, के. मनोहरन और अंबझगान- जैसे सांसदों ने संसद को ठप्प कर दिया था और तमिलनाडु के हिंदी-विरोधी आंदोलन में स्वतंत्र राष्ट्र की मांग भी उठा दी गई थी। अब तमिलनाडु में पहले जैसा हिंदी विरोध नहीं है लेकिन उसमें किसी भी पार्टी की हिम्मत नहीं है कि वह हिंदी के पक्ष में अपना मुंह खोल सके। हिंदी की उपयोगिता अब इतनी बढ़ गई है कि उसे तमिल बच्चे अपने आप सीखेंगे। उसे आपको उन पर थोपने की जरुरत नहीं है। वे खुद उसे खुद पर थोपना चाहेंगे। बस जरुरत यह है कि देश की सभी भर्ती परीक्षाओं में आप अंग्रेजी की थुपाई बंद कर दें। अंग्रेजी तथा अन्य विदेशी भाषाओं की एच्छिक पढ़ाई जरुर हो लेकिन भारतीय भाषाओं के जरिए देश के उच्चतम पदों तक पहुंचने की पूर्ण सुविधा होनी चाहिए। हिंदी अपने आप आ जाएगी। जो हिंदी नहीं सीखेंगे, वे अपने प्रांत के बाहर जाकर क्या लोगों की बगलें झांकेगें? वे अपना नुकसान खुद क्यों करेंगे? क्या स्वतंत्र भारत में कोई ऐसी सरकार भी कभी आएगी, जो सचमुच राष्ट्रवादी होगी और जो राष्ट्रभाषा के जरिए सारे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने का बीड़ा उठाएगी? (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

दैनिक पंचांग

02 जनवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	**मकर**	07.36 बजे से
चंद्र	धनु में	**कुंभ**	09.22 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	**मीन**	10.55 बजे से
बुध	मकर में	**मेष**	12.26 बजे से
गुरु	कुंभ में	**वृष**	14.06 बजे से
शुक्र	धनु में	**मिथुन**	16.04 बजे से
शनि	मकर में	**कर्क**	18.17 बजे से
राहु	वृष में	**सिंह**	20.33 बजे से
केतु	वृश्चिक में	**कन्या**	22.45 बजे से
राहुकाल		**तुला**	00.56 बजे से
4.30 से 6.00 बजे तक		**वृश्चिक**	03.11 ब.से
		धनु	05.27 बजे से

रविवार 2022 वर्ष का दुसरा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 00.04 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** मूल 16.23 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 09.42 बजे तदनन्तर ध्रुव 05.29 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** चतुष्पद 13.53 बजे तदनन्तर नाग चतुष्पद 13.34 बजे तदनन्तर नाग 0.14 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 22° 56' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1871116 **जूलियन दिन** 2459581.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** जमादि उलावल **तारीख** 28 **विशेष** स्नानदान श्राद्ध अमावस्या, हनुमान जयंती(तमिल)।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से	07.23 बजे तक	**शुभ**	05.36	से	07.09 बजे तक
चर	07.23	से	08.51 बजे तक	**अमृत**	07.09	से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18 बजे तक	**चर**	08.41	से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46 बजे तक	**रोग**	10.14	से	11.46 बजे तक
काल	11.46	से	01.14 बजे तक	**काल**	11.46	से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41 बजे तक	**लाभ**	01.19	से	02.51 बजे तक
रोग	02.41	से	04.09 बजे तक	**उद्वेग**	02.51	से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36 बजे तक	**शुभ**	04.24	से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7155

1	2		3		4		■	■
■		■		■		■	5	■
6		■	7			■	8	9
	■	10		■	11	12	■	
13			■	■	■	14		
	■	15	16	■	17		■	
18	19	■	20			■	21	
■		■		■		■		■
■	■	22						

बाएँ से दाएँ

1. कृष्ण का एक नाम-4,3
6. धन,संपत्ति-2
7. इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8. विजय, फतह-2
10. आम जनता,लोग-2
11. लाभ,कुल योग-2
13. निर्माण,कृति-3
14. उत्तर-3
15. नष्ट,विनाश-2
17. रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18. तह,अस्तर-2
20. राजी होना-3
21. अवरोध,रुकावट-2
22. आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2. भिड़ंत,मुठभेड़-3
3. इस्लामी महीना-4
4. हाथी,गज-4
5. न्यायाधीश-2
6. जोरदार-5
9. लालसी,आकांक्षी, पिपासु-5
10. स्त्रीत्वपूर्ण,स्त्रीय-3
12. वृतांत,घटना-3
16. हल,निष्कर्ष-4
17. राशन,भोजन-4
19. घोड़ा गाड़ी-2
21. रुकावट,अवरोध-3

शब्द पहेली -7154 का हल

अ	प	ना	प	न	■	प	क	ना
रा	ल	■	त	■	ख	स	म	■
ज	■	का	न	न	■	■	जो	श
क	ह	र	■	क	र	ता	र	■
ता	■	ग	■	छे	■	र	■	फ
■	ब	र	ग	द	■	ता	मी	र
द	गा	■	■	न	ज	र	■	मा
■	व	त	न	■	ह	■	पा	ई
फ	त	ह	■	स	र	फ	रो	श

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

घातक साबित होगा ओमिक्रॉन संक्रमण को लेकर लापरवाही भरा रवैया

देश में ओमिक्रॉन के लगातार बढ़ते मामलों से दहशत का माहौल बनने लगा है। लगभग तमाम विशेषज्ञ इसी की वजह से बढ़ रहे मामलों को देखते हुए फरवरी माह में तीसरी लहर की भविष्यवाणी करने लगे हैं। ऐसे में पहले से ही रोजी-रोटी के संकट से जूझ रहे करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के साथ-साथ एक और लॉकडाउन लगने का डर अभी से सताने लगा है। दरअसल चंद दिनों में ही ओमिक्रॉन के देशभर में 500 से भी ज्यादा मरीज सामने आ चुके हैं और यह आंकड़ा प्रतिदिन तेजी से बढ़ रहा है। इसी के चलते कुछ राज्यों द्वारा 'नाइट कर्फ्यू' लगाए जाने की शुरूआत हो चुकी है। हालांकि ओमिक्रॉन को लेकर सरकार द्वारा स्पष्ट का दिया गया है कि इसमें ऑक्सीजन की जरूरत कम ही है लेकिन जिस प्रकार कई देशों में कोरोना संक्रमण की रफ्तार बढ़ाने वाला कोरोना का ओमिक्रॉन वेरिएंट डेल्टा से ताकतवर रूप में सामने आ रहा है, उससे तीसरी लहर की भविष्यवाणियों को लेकर चिंता का माहौल बनना स्वाभाविक ही है। इन परिस्थितियों के मद्देनजर इससे निपटने के लिए समय रहते केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा प्रभावी उपाय किए जाने की सख्त आवश्यकता है।

24 नवम्बर 2021 को जहां ओमिक्रॉन का पहला मामला दक्षिण अफ्रीका में सामने आया था, वहीं भारत सहित पूरी दुनिया में केवल एक महीने के अंदर ही यह 110 से भी ज्यादा देशों में फैल चुका है और इस एक महीने में दुनियाभर में इस वेरिएंट के लाखों मामले सामने आ चुके हैं। ओमिक्रॉन फैलने की रफ्तार के आंकड़ों पर नजर डालें तो दक्षिण अफ्रीका में कोरोना संक्रमण के 95 फीसदी मामलों की प्रमुख वजह ओमिक्रॉन ही है। ब्रिटेन में जहां 29 नवम्बर तक ओमिक्रॉन के 0.17 फीसदी मामले सामने आ रहे थे, वहीं 23 दिसम्बर तक इसके 38 फीसदी मामले दर्ज किए गए। यही हाल अमेरिका का भी है, जहां ओमिक्रॉन की वजह से संक्रमण दर में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है और 22 दिसम्बर तक हर चौथा मामला ओमिक्रॉन की वजह से ही सामने आ रहा है। भारत में भी यह संक्रमण फैलने की रफ्तार काफी तेज हो गई है।

दुनियाभर में फैलते ओमिक्रॉन के कहर को लेकर चिंताजक स्थिति यह है कि इसमें अब तक कुल 53 म्यूटेशन हो चुके हैं और यह डेल्टा के मुकाबले बहुत तेजी से फैलता है। डेल्टा में कुल 18 और इसके स्पाइक प्रोटीन में दो म्यूटेशन हुए थे लेकिन ओमिक्रॉन के स्पाइक प्रोटीन में 32 म्यूटेशन हो चुके हैं जबकि इसके रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन में भी 10 म्यूटेशन हो चुके हैं। वायरस स्पाइक प्रोटीन के जरिये ही मानव शरीर में प्रवेश करता है। लंदन के इंपीरियल कॉलेज के वायरोलॉजिस्ट डा. टोम पीकॉक के मुताबिक वायरस में जितने ज्यादा म्यूटेशन के जरिए वेरिएंट बनेगा, वह उतना ही अधिक प्रभावशाली होगा और ऐसा वेरिएंट हमें ज्यादा नुकसान पहुंचाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ओमिक्रोन को कई दिनों पहले ही 'वेरिएंट ऑफ कंर्सन' घोषित करते हुए कह चुका है कि तेजी से फैलने वाला यह वेरिएंट लोगों के लिए काफी खतरनाक साबित हो सकता है। यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी के मुख्य चिकित्सा सलाहकार डा. सुसान हॉपकिंस का कहना है कि कोरोना का यह वेरिएंट दुनियाभर में प्रमुख डेल्टा स्ट्रेन सहित अन्य किसी भी वेरिएंट के मुकाबले बदतर होने की क्षमता रखता है। विशेषज्ञों के अनुसार डेल्टा वेरिएंट की आर वैल्यू 6-7 थी अर्थात् एक व्यक्ति वायरस को 6-7 व्यक्तियों में फैला सकता है जबकि ओमिक्रॉन की आर वैल्यू डेल्टा के मुकाबले करीब छह गुना ज्यादा है, जिसका अर्थ है कि ओमिक्रॉन से संक्रमित मरीज 35-45 लोगों में संक्रमण फैलाएगा।

भारत में ओमिक्रॉन का पहला मामला 2 दिसम्बर को सामने आया था और उसके बाद से मूल वायरस के मुकाबले तीन गुना से भी ज्यादा तेज रफ्तार से फैल रहा है। दक्षिण अफ्रीका में ओमिक्रॉन का सबसे पहले पता लगाने वाली 'साउथ अफ्रीकन मेडिकल एसोसिएशन' की अध्यक्ष डा. एंजेलिक कोएत्जी का भारत के संदर्भ में कहना है कि कोरोना वायरस के इस नए वेरिएंट के कारण यहां संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी दिखेगी लेकिन मौजूदा टीकों से इस रोग को फैलने से रोकने में निश्चित ही मदद मिलेगी किन्तु टीकाकरण नहीं कराने वाले लोगों को शत-प्रतिशत खतरा है। यही वजह है कि इस समय टीकाकरण पर बहुत ज्यादा जोर दिया जा रहा है और बहुत सारी सेवाओं में टीकाकरण प्रमाण पत्र को अनिवार्य किया जा रहा है। एंजेलिक कोएत्जी का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति का टीकाकरण हो चुका है या जो व्यक्ति पहले भी कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुका है, उससे संक्रमण कम लोगों को फैलेगा और टीकाकरण नहीं कराने वाले लोग वायरस को संभवत: शत-प्रतिशत फैलाएंगे।

डा. एंजेलिक कोएत्जी के मुताबिक ओमिक्रॉन उच्च संक्रमण दर के साथ तेजी से फैल रहा है, लेकिन अस्पतालों में गंभीर मामले अपेक्षाकृत कम हैं। यह बच्चों को भी संक्रमित कर रहा है और वे भी औसतन 5 से 6 दिन में ठीक हो रहे हैं लेकिन ओमिक्रॉन भविष्य में अपना स्वरूप बदलकर अधिक घातक बन सकता है, इसलिए बेहद सतर्क, सावधान और सुरक्षित रहने की आवश्यकता है। अधिकांश विशेषज्ञों की भांति उनका भी यही मानना है कि टीकाकरण के अलावा कोविड सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन ओमिक्रॉन संक्रमण को नियंत्रित करने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। हालांकि भारत के संदर्भ में यह स्थिति चिंतनीय इसलिए है क्योंकि कोविड सुरक्षा प्रोटोकॉल का सारा ठीकरा और सारी जिम्मेदारी केवल जनता के ही मत्थे मढ़ दी जाती है। इस मामले में देश के कर्णधारों का व्यवहार देखें तो स्थिति काफी दयनीय है। प्रधानमंत्री, गृहमंत्री से लेकर तमाम राजनीतिक दलों के बड़े-बड़े नेता ओमिक्रॉन के बढ़ते खतरों को देखते हुए आम जनता को तो भरपूर ज्ञान की घुट्टी पिलाते नजर आते हैं मगर स्वयं रैलियों में हजारों-लाखों लोगों की भीड़ जुटाकर सारे कोरोना सुरक्षा प्रोटोकॉल की खुलकर धज्जियां उड़ाते हैं।

लापरवाहियों के चलते भारत कोरोना की दूसरी लहर के दौरान तबाही का जो मंजर देख चुका है, ऐसे में यदि चुनावी रैलियों में सभी राजनीतिक दलों द्वारा इसी प्रकार भारी भीड़ जुटाई जाती रही तो डर यही है कि कहीं फिर से वही हालात न पैदा हों, जैसे मार्च-अप्रैल में चुनाव प्रचार के लिए पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम, पुडुचेरी राज्य विधानसभा चुनावों की रैलियों में जुटाई गई भारी भीड़ के चलते हुए थे। सवाल यह भी उठता है, जब भी ऐसे सवाल उठते हैं तो संबंधित राज्यों में नाइट कर्फ्यू जैसी पाबंदियां लगाकर कोरोना के खिलाफ सख्त कदम जैसी बातें दोहराई जाने लगती हैं लेकिन यह कैसी हास्यास्पद स्थिति है कि अधिकांश जगहों पर जहां रात में सड़कें पहले ही सुनसान रहती हैं, वहां नाइट कर्फ्यू और दिन में शादी-ब्याह जैसे समारोहों में तो केवल 100-200 लोगों के इकट्ठा होने की लेकिन रैलियों में लाखों की भीड़ इकट्ठा करने की अनुमति होती है। अदालतें इसके लिए बार-बार फटकार लगाते हुए सचेत भी करती रही हैं किन्तु डर इसी बात का है कि कहीं महज कागजों तक ही सीमित कोरोना पाबंदियां तीसरी लहर को खौफनाक न बना दें। (लेखक- योगेश कुमार गोयल / ईएमएस)

कांग्रेस के लिए अग्निपरीक्षा हैं विधानसभा चुनाव

पिछले दो लोकसभा चुनावों के बाद जिस प्रकार की राजनीतिक तस्वीर निर्मित हुई है, उससे यही परिलक्षित होता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस बहुत बड़ी और कठिन परीक्षा के दौर से गुजर रही है। अब देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की कवायद चल रही है। इस राज्यों में कांग्रेस की वर्तमान हालात परिस्थिति के ऐसे भंवर में गोता लगा रही है, जहां से वह अपनी राजनीतिक स्थिति में सुधार कर पाएगी, यह असंभव सा ही लगता है। असंभव इसलिए भी कहा जा सकता है कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में पहले से ही कांग्रेस की स्थिति ठीक नहीं है। और फिर वर्तमान के भाजपा शासन से उत्तरप्रदेश की भुक्तभोगी जनता बहुत ही संतुष्ट दिखाई दे रही है। ऐसा हम नहीं कह रहे, बल्कि वह जनता कह रही है जो पिछले शासन में दबंगई से परेशान थी। केवल दबंग ही नहीं, बल्कि प्रशासन के आला अधिकारी भी राजनीतिक संरक्षण प्राप्त करके अपनी मनमानी करती थी, जिसका खामियाजा सीधे तौर पर उत्तरप्रदेश की उस जनता को भुगतना पड़ता था जो बहुत ही संस्कारित भाव और ईमानदारी के साथ जीवन यापन करती थी। कौन नहीं जानता कि आज उत्तरप्रदेश के बड़े बड़े दबंग महारथी या तो रास्ते पर आ गए हैं या फिर सुरक्षित स्थान पर पहुंचकर शांत भाव से प्रदेश की योगी सरकार की कार्यशैली को बिना किसी ना नुकुर के देख रहे हैं।

कांग्रेस की विसंगति यह है कि आज के परिदृश्य में उसके साथ मिलकर कम से कम उत्तरप्रदेश में तो कोई भी दल चुनाव लड़ना नहीं चाहता, क्योंकि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बड़ा सपना दिखाते हुए समाजवादी पार्टी को सत्ता सुख से वंचित कर दिया। अखिलेश यादव के सीने में यह तीस गाहे बगाहे उठती ही होगी। दूसरी बड़ी बात यह भी है कि गांधी परिवार की विरासती पृष्ठभूमि से राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करने वाली श्रीमती प्रियंका वाड्रा भी वैसा राजनीतिक प्रभाव नहीं छोड़ पाईं, जैसी उम्मीद की जा रही थी। इसमें कांग्रेस के कमजोर होने एक प्रामाणिक तथ्य यह भी है कि राहुल गांधी ने अपने परिवार की परंपरागत सीट अमेठी का परित्याग कर केरल की राजनीतिक पिच पर अपना खेल खेला। हालांकि राहुल गांधी ने अमेठी से चुनाव अवश्य लड़ा, लेकिन भाजपा की ओर पूरी तैयारी करके जो चुनौती दी, राहुल गांधी उस चुनौती को स्वीकार करने की स्थिति में दिखाई नहीं दिए और अमेठी से शर्मनाक पराजय का सामना करना पड़ा।

जहां तक उत्तरप्रदेश के साथ ही पंजाब राज्य की बात करें तो वहां पिछले छह महीने पहले जो राजनीतिक दृश्य दिखाई देता था, आज का दृश्य उसके एकदम उलट है। पहले जो कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस की एक छत्र कमान संभाले थे, आज वे कांग्रेस के लिए ही चुनौती बनकर राजनीतिक मैदान में हैं। यह भी लगभग तय ही हो गया है कि वे भाजपा के साथ दोस्ती करके चुनाव लड़ेंगे। इससे यह लगने लगा है कि भाजपा और कैप्टन अमरिंदर सिंह को भले ही लाभ न मिले, लेकिन कांग्रेस का रसातल की ओर जाना तय सा लग रहा है। पंजाब में आम आदमी पार्टी सत्ता बनाने लायक अपनी स्थिति मानकर चल रही थी, लेकिन अब उसके सपने पूरे होंगे या नहीं, संशय की स्थिति है। पंजाब में अब राजनीतिक महत्वाकांक्षा पालकर किसान आंदोलन करने वाले 22 किसान संगठनों ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। इस मोर्चा ने जोर दिखाया सबके सपने धूमिल भी हो सकते है, लेकिन फिलहाल यह संभव नहीं लगता।

जब से कांग्रेस ने पराभव की ओर कदम बढ़ाने प्रारंभ किए हैं, उस दिन के बाद न तो कांग्रेस में अपनी स्थिति सुधारने की दिशा में कोई प्रयत्न हुए हैं और न ही ऐसा कोई प्रयास ही किया गया है। इसका मुख्य कारण यह भी माना जा रहा है कि केंद्रीय स्तर पर कांग्रेस का कोई ऐसा राजनेता नहीं है जो प्रादेशिक क्षत्रपों को नियंत्रित करने का सामर्थ्य रख सके। इसको लेकर कांग्रेस में अंदर ही अंदर लावा सुलग रहा है, जिसका हल्की सी चिंगारी ने ही कांग्रेस को कमजोर किया है, लेकिन भविष्य में कांग्रेस के अंदर बड़े विस्फोट की भी आशंका भी निर्मित होने लगी है। आज कांग्रेस के दिग्गज नेता असहज महसूस करने लगे हैं। वरिष्ठ नेता के रूप में पहचान बनाने वाले आज मायूस हैं। वे कभी खुलकर बगावत करने की स्थिति में दिखाई देते हैं तो कभी अपने प्रति होने वाली उपेक्षा से दुखी दिखाई देते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने एक बार अपना दुख प्रकट करते हुए कहा था कि अब कांग्रेस में वरिष्ठों के दिन समाप्त हो चुके हैं। राहुल गांधी जैसा चाहते हैं वैसा ही हो रहा है। इतना ही नहीं कई राजनेता पार्टी के पूर्णकालिक अध्यक्ष की मांग भी कई बार कर चुके हैं। यह मुद्दा लोकसभा चुनाव के बाद भी बहुत जोर शोर से उठा था, लेकिन इस मांग को राष्ट्रीय नेतृत्व ने दरकिनार कर दिया। जिसका खामियाजा कांग्रेस को असंतोष के रूप में भोगना पड़ रहा है, अब आगे क्या होगा, यह भविष्य के गर्भ में है, लेकिन यह अवश्य ही कहा जा सकता है कि कांग्रेस की भविष्य की राह आसान नहीं है।

वस्तुत वर्तमान समय को कांग्रेस के लिए अग्निपरीक्षा निरूपित किया जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। क्योंकि जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की तैयारी चल रही है, उनमें उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर हैं। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को देखकर यही लगता है कि उत्तरप्रदेश में कांग्रेस वैसा चमत्कार करने की स्थिति में नहीं है, जिसकी उसके नेता विरासती पृष्ठभूमि से राजनेता बनी प्रियंका वाड्रा से आशा कर रहे थे। उत्तराखंड में भी हालात इससे कम नहीं हैं। पंजाब में घमासान चल ही रहा है। वास्तव में इस सब बातों को सुधारने के लिए कांग्रेस को लोकतांत्रिक पद्धति से अपने प्रभावी नेताओं के दुख को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। इसके अलावा लोकसभा चुनाव में मिली असफलता के बाद कांग्रेस के नेताओं को अपनी दशा सुधारने के लिए आत्ममंथन भी करना चाहिए था, लेकिन नहीं किया गया। पांच राज्यों के चुनाव कांग्रेस के लिए किस प्रकार की स्थिति निर्मित करेंगे, यह अभी देखने का समय है। (लेखक- सुरेश हिंदुस्थानी / ईएमएस)

आज का इतिहास 2 जनवरी

1492 स्पेन ने मूरो से ग्रेनाड छीन लिया.
1757 नवाब सिराजुद्दौला से राबर्ट क्लाइव ने कलकत्ता छीन लिया.
1799 नेपोलियन बोनापार्ट अपनी सेना के साथ सीरिया पहुंचा.
1899 रामकृष्ण मिशन के भिक्षुओं ने वैलूर मठ में रहना शुरू किया.
1900 अमरीका ने चीन के लिए खुली नीति की घोषणा की.
1905 रूस ने मंचूरियाई हरपोर्ट आर्थर जापानियों के हवाले कर दिया.
1913 यूनान ने चियोस द्वीप स्थित तुर्की के शस्त्रागार पर कब्जा किया.
1932 मंचूरिया में मंचूकओ गणराज्य की स्थापना हुई थी.
1937 स्पेन की स्वतंत्रता की रक्षा हेतु इंग्लैंड और इटली में समझौता.
1942 द्वितीय विश्व युद्ध में जापानियों ने फिलीपींस की राजधानी मनीला पर कब्जा किया था.
1965 अयूब खान पाकिस्तान में राष्ट्रपति चुनाव में विजयी हुए.
1971 ग्लासगो स्काटलैंड में एक फुटबॉल मैच के दौरान दीवार गिरने से 66 व्यक्ति दबकर मरे.
1973 जनरल एसएचएफजे मानेका फील्ड मार्शल बनाए गए.
1988 मोजाम्बिक की पश्चिमी सीमा पर ट्रेन पर छापामारों ने हमला किया जिससे 22 यात्री मारे गए और 71 अन्य घायल हो गए.
2002 पर्यावरणविद् अनिल अग्रवाल का निधन. सीमा पर पाक सेना की गोलीबारी के जवाब में भारत ने 10 पाक सैनिक मार गिराए.
2004 जम्मू स्टेशन पर आतंकवादियों का हमला दो आतंकियों सहित 8 मरे.
2005 सुनामी प्रभावित राज्यों में दस-दस सदस्यीय टीम घोषित जो तबाही का आंकलन करेंगी.

इत्र की बदबू: राष्ट्रीय शिष्टाचार

इत्र से कितनी बदबू फैल सकती है, यह दुनिया को पहली बार पता चला। कन्नौज के इत्रवाले दो जैन परिवारों पर पड़े छापों ने इत्र के साथ उत्तरप्रदेश की राजनीति की बदबू को भी उजागर कर दिया है। सच्चाई तो यह है कि इन छापों ने भारत की सारी राजनीति में फैली बदबू को सबके सामने फैला दिया है। 22 दिसंबर को जब पीयूष जैन के यहां छापा पड़ा तो उसमें 197 करोड़ रु., 26 किलो सोना और 600 किलो चंदन पकड़ा गया और पीयूष को जेल में डाल दिया गया। सारे खबरतंत्र से यह प्रचारित किया गया कि यह छापा समाजवादी पार्टी के कुबेर के संस्थानों पर पड़ा है। दूसरे शब्दों में यह पैसा अखिलेश यादव का है। कानपुर की एक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने विरोधियों पर हमला करते हुए कहा कि यह भ्रष्टाचार का इत्र है। इसकी बदबू सर्वत्र फैल गई है। यह बदबू 2017 के पहले फैली थी। तब तक अखिलेश उप्र के मुख्यमंत्री थे लेकिन अखिलेश ने कहा कि यह छापा गलतफहमी में मार दिया गया है। दो जैनों में सरकार भ्रमित हो गई। पीयूष जैन का समाजवादी पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है। सरकार ने पुष्पराज जैन की जगह गलती से पीयूष जैन के यहां छापा मार दिया। अब सरकार ने पुष्पराज जैन के यहां भी छापा मार दिया है। अखिलेश का मंतव्य है कि पीयूष के यहां से निकला धन भाजपा का है तो भाजपा नेताओं का कहना है कि पुष्पराज तो समाजवादी पार्टी के विधायक हैं। उनके यहां जो भी काला धन पकड़ाएगा, वह सपा का ही होगा। यदि अखिलेश पहले छापे का मजाक नहीं उड़ाते तो शायद उनके जैन पर दूसरा छापा नहीं पड़ता लेकिन अब भाजपा ने हिसाब बराबर कर दिया है। इन छापों से हमारे सभी नेताओं की छवि खराब होती है। जनता को लगता है कि ये सभी भ्रष्ट हैं। इनमें से कोई दूध का धुला नहीं है। चुनावों के मौसम में की जा रही इस छापामारी से सत्तारुढ़ दल की छवि भी चौपट होती है। अपने विरोधियों को बदनाम और तंग करने के लिए ही ऐसे छापे इस समय मारे जाते हैं। पिछले कई साल से सरकार को लकवा क्यों हुआ पड़ा था? इसके अलावा ये छापे उसी राज्य में क्यों पड़ रहे हैं, जिसमें चुनाव सिर पर हैं? क्या भाजपा को हार का डर सता रहा है? यदि देश में अर्थ-शुद्धि करनी है तो ऐसे छापे सबसे पहले सरकारों को अपने ही पार्टी-नेताओं पर मारने चाहिए, क्योंकि उनके पास शुद्ध हरामखोरी का ही पैसा जमा होता है। उद्योगपति और व्यापारी तो अपनी बुद्धि और मेहनत से पैसा कमाते हैं, ये बात अलग है कि उनमें से कई टैक्स-चोरी करते हैं। इन छापों ने यह भी सिद्ध किया है कि मोदी सरकार की नोटबंदी की नाक कट गई है। नोटबंदी के बावजूद यदि करोड़ों-अरबों रु. इत्रवालों के यहां से नकद पकड़े जा सकते हैं तो बड़े-बड़े उद्योगपतियों और व्यापारियों ने अपने यहां तो खरबों रु. नकद छिपा रखे होंगे। नेताओं और पैसेवालों की सांठ-गांठ ने ही भ्रष्टाचार को राष्ट्रीय शिष्टाचार बना दिया है। (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

खेल - समाचार

एटीपी कप में स्पेन और अर्जेन्टीना की जीत से शुरुआत

सिडनी (ईएमएस)। अर्जेटीना और स्पेन ने 16 टीम के एटीपी कप टूर्नामेंट के पहले दिन अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की।अर्जेटींना ने जॉर्जिया के खिलाफ 3-0 की आसान जीत दर्ज की जबकि स्पेन ने चिली को इसी अंतर से हराया। यह टीम टूर्नामेंट सिडनी के दो स्टेडियम में हो रहा है।

दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी डिएगो श्वार्ट्जमैन ने एकल मुकाबले में जॉर्जिया के निकोलोज बासिलाशविली को हराकर अर्जेन्टीना को 2-0 की निर्णायक बढ़त दिलाई।इसके पहले फेडेरिको डेलबोनिस ने एलेक्सांद्रे मात्रेवेली को शिकस्त दी। युगल मुकाबले में मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोलतेनी ने सबा पर्तसेलाजे और जुरा केमालाजे की जॉर्जिया की जोड़ी को हराकर क्लीनस्वीप किया।

दिन के अन्य मुकाबले में दुनिया के 20वें नंबर के खिलाड़ी पाब्लो कारेनो बुस्ता ने एक ब्रेक से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चिली के एलेसांद्रो ताबिलो को 6-4, 7-6 (7-4) से हराकर स्पेन को बढ़त दिलाई। रॉबर्टो बतिस्ता आगुत ने इसके बाद चिली के दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टियन गेरिन को 6-0, 6-3 से हराकर स्पेन की जीत सुनिश्चित की। एलेक्सांद्रो डेविडोविच फोकिना और पेड्रो मार्टिनेज ने इसके बाद चिली के टॉमस बारियोस वेरा और ताबिलो को से हराकर स्पेन के लिए क्लीनस्वीप सुनिश्चित किया।

5 वनडे में 4 सैकड़ा जड़ने वाले बल्लेबाज का टीम इंडिया में हुई एंट्री

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रमुख चयनकर्ता चेतन शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी वनडे श्रंखला लिए चुने गए सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ की सराहना करते हुए कहा कि महाराष्ट्र का यह बल्लेबाज नेशनल टीम के लिए बेहद सफल हो सकता है। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 19, 21 और 23 जनवरी को पार्ल और केपटाउन में तीन वनडे मुकाबले खेलने हैं। पुणे के रहने वाले 24 साल के ऋतुराज आईपीएल 2021 में 635 रन के साथ टॉप स्कोरर रहे थे और उन्होंने चेन्नई सुपरकिंग्स को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

चेतन शर्मा की अगुआई वाली चयन समिति ने शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन किया। चेतन शर्मा ने टीम चयन के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'देखिए, बेशक उसे सही समय पर मौका मिला है। वह टी20 टीम में था और अब वह वनडे टीम में भी है। चयनकर्ताओं को लगता है कि उसे जिस भी टीम में जगह मिलेगी वह देश के लिए बेहद सफल रहेगा।'

चेतन शर्मा के मुताबिक ऋतुराज को उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला। उन्होंने कहा, 'हमने उसका (ऋतुराज) चयन किया है। अब यह टीम मैनेजमेंट पर निर्भर करता है कि वे देखें कि वह कब प्लेइंग इलेवन में खेल सकता है, कब उसकी जरूरत है और क्या संयोजन रहेगा। लेकिन फिलहाल वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज की टीम में भी था और अब वनडे टीम में भी है। वह अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और उसे इसका इनाम मिला है।'

आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद इस सलामी बल्लेबाज ने विजय हजारे ट्रॉफी में भी अपनी बेहतरीन फॉर्म जारी रखा और पांच मैचों में 168 रन के बेस्ट स्कोर के साथ 603 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने टूर्नामेंट के 5 वनडे में 4 शतक ठोके। ऋतुराज ने पिछले साल जुलाई में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था।

टीम इंडिया के कप्तानी मिलने के बाद केवल धोनी के नेतृत्व में खेले हैं विराट कोहली

-केएल राहुल को रोहित शर्मा के फिट नहीं होने के चलते यह जिम्मेदारी मिली

नई दिल्ली (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध वनडे श्रंखला के लिए केएल राहुल को भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है। केएल राहुल को रोहित शर्मा के फिट नहीं होने के चलते यह जिम्मेदारी मिली है। 29 साल के केएल राहुल पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी करने जा रहे हैं।

वनडे टीम में पूर्व कप्तान विराट कोहली को भी जगह मिली है और वह राहुल के अंडर खेलते हुए दिखाई देंगे। कोहली ने साल 2013 में पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी की थी, उसके बाद से उन्होंने सिर्फ महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम के लिए भाग लिया था।

ऐसे में 2013 में कप्तानी करने के बाद से केएल राहुल दूसरे कप्तान होंगे, जिसके अंडर विराट कोहली खेलेंगे। वैसे 2013 के बाद रहाणे, रोहित शर्मा और शिखर धवन विभिन्न प्रारूपों में भारत की कप्तानी कर चुके हैं, लेकिन इस दौरान कोहली टीम का हिस्सा नहीं थे।

गंभीर-सहवाग की कप्तानी में खेल चुके हैं कोहली-

वैसे विराट कोहली 2013 में पहली बार कप्तानी करने से पहले वीरेंद्र सहवाग और गौतम गंभीर के अंडर खेल चुके हैं। उदाहरण के लिए गंभीर ने साल 2010 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत का नेतृत्व किया था तो कोहली उस टीम का हिस्सा थे। वहीं सहवाग ने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में कप्तानी की थी, तब भी कोहली प्लेइंग इलेवन का हिस्सा थे।

विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट में भारत के सबसे सफलतम कप्तान हैं। विराट ने अबतक 67 टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी की है, जिसमें टीम को 40 में जीत और 16 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। विराट कोहली वनडे इंटरनेशनल में एमएस धोनी, मोहम्मद अजहरुद्दीन और विराट कोहली के बाद भारत के चौथे सफल कप्तान हैं। विराट ने 95 वनडे मुकाबलों में टीम इंडिया की कप्तानी की, जिसमें 65 मुकाबलों में भारत को जीत मिली। वहीं विराट कोहली ने 48 टी20 मुकाबलों में भी भारत का नेतृत्व किया।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवॉन कॉनवे ने टेस्ट क्रिकेट में रचा कीर्तिमान

नई दिल्ली (ईएमएस)। नव वर्ष के आगमन के साथ ही न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच भी शुरू हो गया है। दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच माउंट मॉन्गनुई में खेला जा रहा है। मैच का आज यानि के शनिवार को पहला दिन है। बांग्लादेश ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। मेजबान न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवॉन कॉनवे ने शानदार शतक के साथ साल 2022 के पहले दिन की शुरुआत की है। उन्होंने 186 गेंदों में 14 चौके और एक छक्के की मदद से अपनी सेंचुरी पूरी की। कॉनवे साल 2022 में इंटरनेशनल शतक जमाने वाले पहले क्रिकेटर बन गए हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज का टेस्ट करियर में यह दूसरा शतक है। कॉनवे ने 227 गेंदों पर 16 चौके और एक छक्के की मदद से 122 रन बनाए।

डेब्यू टेस्ट में जड़ा था सैकड़ा-

कॉनवे पिछले साल जून महीने में इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स के मैदान पर डेब्यू किया था, जहां उन्होंने शानदार दोहरा शतक जड़ा था और फिर अगले दो मैचों में दो अर्धशतक बनाए थे। इनमें भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी शामिल है। चोटिल होने की वजह से वह भारत के दौरे पर नहीं आ सके थे। 30 साल के कॉनवे ने इससे पहले अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने पारी के 35वें ओवर में मेहदी हसन की गेंद पर छक्का जड़कर टेस्ट क्रिकेट में अपनी फिफ्टी पूरी की। इस फिफ्टी के साथ ही कॉनवे ने टेस्ट क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड कायम कर लिया है। कॉनवे का यह चौथा टेस्ट मैच है। वह न्यूजीलैंड के पहले ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने पहले 7 टेस्ट मैचों में चार बार फिफ्टी या उससे ज्यादा का स्कोर किया है। कॉनवे ने 101 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने हसन के ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाया। कॉनवे ने न्यूजीलैंड के लिए अबतक तीन वनडे और 20 टी20 इंटरनेशनल मैच भी खेले हैं।

न्यूजीलैंड की खराब शुरुआत

इससे पहले, बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गेंदबाजों ने उसके इस फैसले को सही साबित करते हुए 1 रन के स्कोर पर ही मेजबान न्यूजीलैंड को पहला झटका दे दिया। इस मैच में न्यूजीलैंड की कप्तानी कर रहे टॉम लाथम 1 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें शोरीफुल इस्लाम ने अपना शिकार बनाया। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा।

अलविरो पीटरसन के टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास पर हैरान क्विंटोन डिकॉक

जोहानिसबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व सलामी बल्लेबाज अलविरो पीटरसन के टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास के क्विंटोन डिकॉक चौक गए हैं। उनका मानना है कि निकट भविष्य में और भी खिलाड़ी यह कदम उठा सकते हैं। महज 29 वर्ष की उम्र में और 54 टेस्ट ही खेल चुके डिकॉक ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। वह वनडे और टी20 क्रिकेट खेलना जारी रखने वाले हैं।

पीटरसन ने कहा कि ईमानदारी से कहूं,तब मैं फैसले से हैरान हूं। मैंने इसकी उम्मीद नहीं की थी। सेंचुरियन टेस्ट में लंच ब्रेक के समय मुझे लगा कि वह 100 प्रतिशत नहीं दे पा रहा है। ऐसा खिलाड़ी है जिसे अपने शॉट खेलना पसंद है। जब कभी भी परिवार के साथ कोई मसला हो या आप लंबे दौरे पर हो तो एक पैर हमेशा विमान में रहता है। मुझे ऐसा लगा कि उसका एक पैर घर पर है। पीटरसन ने कहा कि मैं हैरान हूं लेकिन दुनिया भर में लुभावनी टी20 लीग और द हंड्रेड सीरीज से खिलाड़ियों की सोच बदल गई है। पहले टेस्ट क्रिकेट सर्वोपरि माना जाता था लेकिन अब नहीं।

सोना और चांदी पर जीएसटी बढ़ाने की तैयारी में सरकार

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। नया साल 2022 सोना और चांदी के लिए काफी महत्वपूर्ण हो सकता है। इसका कारण है बजट 2022 में सोना और चांदी की कीमत में जीएसटी को बढ़ाया जा सकता है। इस मुद्दे को फरवरी में होने वाली बैठक में उठाया जा सकता है। जीएसटी बढ़ाने के साथ सरकार इसमें थोड़ा राहत देने के लिए आयात शुल्क कम कर सकती है। जिसका बजट में ऐलान हो सकता है। 2021 में सोना आयात में रिकॉर्ड इजाफा देखने को मिला है। जिसकी वजह से सरकार भी काफी चिंतित है। वहीं 2022 में गोल्ड स्पॉट एक्सचेंज और सिल्वर ईटीएफ भी काफी अहम होने जा रहा है। बीते साल सोने के आयात में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। वित्त वर्ष की 2020-21 के मुकाबले 2021-22 में सोना आयात बिल में 170 फीसदी का इजाफा देखने को मिल चुका है। वहीं अप्रैल से नवंबर के बीच 33.23 बिलियन डॉलर का सोना आयात हुआ है जो कि वित्त 2011-12 के अप्रैल-नवंबर के बाद सबसे ज्यादा देखने को मिला है। साथ ही इकोनॉमिक रिकवरी के बीच सोना और चांदी की कीमत में गिरावट देखने को मिली है। आंकड़ों के अनुसार 2020 के मुकाबले 2021 में सोना 4 फीसदी तक टूटा है। जबकि चांदी की कीमत में करीब 9 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। जानकारों की मानें तो सोना और चांदी पर जीएसटी की दर 5 फीसदी तक की जा सकती है। मौजूदा समय में यह दर 3 फीसदी है। वहीं आयात शुल्क को 7.5 फीसदी से 5 से 6 फीसदी तक लाया जा सकता है।

सीमा पर किसी की हिमाकत बर्दास्त नहीं, सैन्य कमांड से लेकर अनंत ब्रह्मांड तक लहराया भारत का परचम

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत लगातार अपनी सैन्य शक्ति में इजाफा कर रहा है। आज देश में स्वचालित रूसी राइफल क्लाशनिकोव का अत्याधुनिक संस्करण एके-203 बनाने की तैयारी है। ब्रह्मोस मिसाइल से हम विश्व को बता रहे हैं कि सीमा पर किसी हिमाकत को रौंद देंगे। पृथ्वी और अग्नि मिसाइल व तीसरी पीढ़ी का अर्जुन टैंक दुश्मनों का हौसला पस्त करने को काफी है।

हमारे जवानों और विज्ञानियों ने साहस और सफलता की कहानियां लिखी हैं। सात दशक से हमारे जवान और विज्ञानी न थके हैं, न रुके। हथियार से लेकर साजोसामान तक यहीं बनने लगा है। चंद्रयान और मंगलयान के बाद गगनयान की तैयारी है। जनबल, मनबल और सृजनबल से सुसज्जित हमारे रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र की गौरवगाथा बता रहे हैं महेश शुक्ल:

बिना थके, बिना रुके, स्वतंत्रता के समय हमारे पास चार लाख सैनिकों की सेना थी। आज जवानों की संख्या 14 लाख से ऊपर है। तब भी और अब भी हम शौर्य में सब पर भारी पड़ते हैं। चाहे कारगिल हो या गलवान। हथियार और रक्षा सामग्री की दिशा में हमने उल्लेखनीय प्रगति की है। 1958 में बने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान (डीआरडीओ) ने विचारों को जन्म दिया और आयुध फैक्टियों ने उन्हें वास्तविकता में बदला।

ब्रह्मोस से एके-203 तक: आज देश में स्वचालित रूसी राइफल क्लाशनिकोव का अत्याधुनिक संस्करण एके-203 बनाने की तैयारी है। ब्रह्मोस मिसाइल से हम विश्व को बता रहे हैं कि सीमा पर किसी हिमाकत को रौंद देंगे। पृथ्वी और अग्नि मिसाइल व तीसरी पीढ़ी का अर्जुन टैंक दुश्मनों का हौसला पस्त करने को काफी है। स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस के कहने ही क्या। अब तो मिसाइलों के निर्यात की भी तैयारी है।

15 से 18 साल के बच्चों के वैक्सीनेशन के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू, तीन से लगेगी वैक्सीन

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में कोरोना महामारी एक बार फिर तेजी से पैर पसार रही है। कोरोना वायरस का नया वैरिएंट देश के अधिकांश राज्यों में फैल चुका है। इसी बीच केंद्र सरकार 3 जनवरी से 15 से 18 साल के बच्चों के लिए वैक्सीनेशन प्रोग्राम शुरू करने की तैयारी की है। वयस्कों की तरह अब बच्चों को भी वैक्सीन लगाई जाएगी। जिसके लिए रजिस्ट्रेशन करवाना जरूरी है।

नेशनल हेल्थ अथॉरिटी के सीईओ डॉ आरएस शर्मा ने बताया कि 1 जनवरी से 15 से 18 साल के बच्चे वैक्सीन के लिए रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। बच्चों के वैक्सीनेशन के लिए को-विन पर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। वे सभी लोग जिनका जन्म 2007 या उससे पहले हुआ है, वे सभी रजिस्ट्रेशन करवाने के बाद वैक्सीन लगवा सकते हैं। वैक्सीनेशन के लिए अपॉइंटमेंट ऑनलाइन या ऑनसाइट बुक किए जा सकते हैं। बच्चों को अभी कोवैक्सीन लगाई जाएगी।

जायडस कैडिला की जायकोव-डी को 20 अगस्त को ही मंजूरी मिल गई थी, लेकिन इसे अभी वैक्सीनेशन प्रोग्राम में शामिल नहीं किया गया है। यह वैक्सीन 12 साल से ऊपर के बच्चों को दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि दुनिया के कई देशों में बच्चों को कोरोना की वैक्सीन लगाई जा रही है। बच्चों पर वैक्सीन असरदार साबित हुई है। भारत बायोटेक ने कोवैक्सीन का ट्रायल किया था, जो असरदार साबित हुआ है।

वैक्सीन के अभी तक कोई भी बड़े साइड इफेक्ट्स सामने नहीं आए हैं। वैक्सीन लगने के बाद बुखार, बदन दर्द, इंजेक्शन वाली जगह पर सूजन जैसे साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। जो कोवैक्सीन वयस्कों को दी जा रही है, वही बच्चों को भी दी जाएगी। इसलिए बच्चों की वैक्सीन में भी दोनों डोज के बीच 28 दिन का अंतर रहेगा। अगर 3 जनवरी को पहली डोज लग गई है तो 31 जनवरी के बाद दूसरी डोज लगवा सकते हैं।

कोविन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन 1 जनवरी से शुरू हो चुका है। इसके लिए स्कूल आईडी या आधार कार्ड समेत सरकार द्वारा जारी कोई भी पहचान पत्र का उपयोग किया जा सकता है। रजिस्ट्रेशन पहले से इस्तेमाल फोन नंबर के साथ भी किया जा सकता है और नए नंबर से भी कोविन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन का ऑप्शन है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने के बाद या सीधे केंद्र पर पहुंचकर बच्चे टीका लगवा सकते हैं।

फेंफड़ों पर असर नहीं होने के कारण ओमिक्रोन ज्यादा घातक नहीं, अध्ययन से सामने आई जानकारी

न्यूयार्क (ईएमएस)। दुनिया में बहुत तेजी से फैल रहा ओमिक्रोन वेरिएंट फेंफड़ों को अधिक निशाना नहीं बना रहा है, जिसकी वजह से इसे डेल्टा की तुलना में कम घातक माना जा रहा है। हाल ही में किए गए विभिन्न शोधों के आधार पर चिकित्सकों ने यह दावा किया है।

चूहों और अन्य छोटे जीवों हेम्सटर पर किए गए शोध अध्ययनों से पता चला है कि यह वेरिएंट फेफड़ों को कम नुकसान करता है और इसका अधिकतर असर नाक, गले तथा श्वास नली तक ही रहता है। इससे पहले वाले कोरोना विषाणु फेफड़ों में जख्म बनाकर सांस लेने की प्रकिया को बुरी तरह प्रभावित करते थे और इससे उनकी सिकुड़ने तथा फैलने की क्षमता समाप्त हो जाती थी।

यह कहना काफी सही होगा कि ओमिक्रोन से उपरी श्वसन तंत्र में संक्रमण हो रहा है और पहले के वेरिएंट की तुलना में यह कम घातक है। बर्लिन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के जीव विज्ञानी रोनाल्ड इल्स ने बताया कि यह वेरिएंट संक्रमित जीव की श्वास नली को प्रभावित करता है और एक शोध में यह भी पाया गया है कि फेफड़ों में ओमिक्रोन का स्तर कुल संक्रमण लोड का दसवां हिस्सा था या अन्य वेरिएंट की तुलना में काफी कम पाया गया था।

इससे पहले अन्य कई शोधों में कहा गया था कि ओमिक्रोन कोरोना के डेल्टा विषाणु की तुलना में उतना घातक नहीं है और इस बात के प्रमाण भी हैं। ओमिक्रोन का पता सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका और बोत्सवाना में नवंबर के अंतिम माह में लगा था और धीरे धीरे यह दक्षिण अफ्रीका में फैल गया और वहां दिसंबर में मध्य तक प्रतिदिन 26,000 मामले दर्ज किए गए थे।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार यह विषाणु इस समय विश्व के 100 से अधिक देशों में फैल चुका है और यह उन लोगों को भी संक्रमित कर सकता है जिन्हें कोरोना की दोनों वैक्सीन लग चुकी हैं या पहले कोरोना संक्रमण हुआ था। यह भी पाया गया है कि इसके संक्रमण से लोगों में अस्पताल में भर्ती होने की दर अधिक नहीं देखी गई है, लेकिन फिर भी लोगों को सावधान रहने की सलाह दी गई है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 58.7 करोड़ डॉलर घटा

मुंबई (ईएमएस)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 58.7 करोड़ डॉलर घटकर 635.08 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले 17 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 16 करोड़ डॉलर घटकर 635.667 अरब डॉलर रह गया था। जबकि तीन सितंबर, 2021 को समाप्त सप्ताह में यह मुद्रा भंडार 642.453 के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया था। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 24 दिसंबर को समाप्त समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आने की वजह विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) में कमी आना है, जो कुल मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा होता है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार सप्ताह के दौरान एफसीए 84.7 करोड़ डॉलर घटकर 571.369 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पौंड और येन जैसे गैर-अमेरिकी मुद्रा के घट -बढ़ को भी शामिल किया जाता है। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 20.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 39.39 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास विशेष आहरण अधिकार 2.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 19.114 अरब डॉलर हो गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में देश का मुद्रा भंडार 2.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.207 अरब डॉलर हो गया।

अनेक राज्यों में बढ़े कोरोना के मामले, तीसरी लहर शुरू

नई दिल्ली (ईएमएस)। अनेक राज्यों में कोरोना हो चुका है। पश्चिम बंगाल, केरल और कर्नाटक में शनिवार को कोविड-19 के मामलों में बड़ा उछाल देखा गया। पश्चिम बंगाल में 4,512 मामले सामने आए, जो पिछले दिन की तुलना में 1,061 अधिक हैं। वहीं, केरल में 2,435 और कर्नाटक में 1,033 नए मामले सामने आए। पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ दिनों से कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। राज्य में शुक्रवार को 3,451 मामले सामने आए थे, जिनमें अकेले कोलकाता से 1,954 मामले थे।

संक्रमण से मरने वाले नौ लोगों में कोलकाता एवं उत्तर 24 परगना से दो-दो लोग हैं। इसी तरह केरल में शनिवार को 2,435 नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 52,40,487 हो गई। वहीं, 22 और लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 48,035 हो गई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि मौत के शनिवार के आंकड़े के अलावा राज्य में कोरोना से मौत के नए मामलों में 219 ऐसे मामले भी शामिल हैं, जिन्हें केंद्र के नये दिशानिर्देशों एवं सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर आधारित अपील मिलने के बाद कोरोना से हुई मौत के आंकड़े में शामिल किया गया।

स्वास्थ्य विभाग ने एक विज्ञप्ति में बताया कि राज्य में फिलहाल 18,904 मरीजों का इलाज चल रहा है, जिनमें से 10.7 फीसदी अस्पताल में भर्ती हैं। आज 2,704 मरीज संक्रमण मुक्त हुए, जिसके बाद कुल स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 51,81,981 हो गई।

मुफलिसी में भी पाकिस्तान ने अपने रहनुमा सऊदी के राजदूत के सामने दिखाई अशिष्टता

इस्लामाबाद (ईएमएस)। कंगाली और भुखमरी के दौर से गुजर रहा पाकिस्तान पैसे-पैसे को मोहताज है। ऐसे में मुफलिसी दूर करने के लिए वह सऊदी अरब की रहम पर टिका है। लेकिन अब पाकिस्तान अपने आका को ही आंखे दिखाने लग गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी द्वारा इस्लामाबाद में सऊदी राजदूत नवाफ बिन सईद अल-मल्की के साथ मुलाकात के दौरान अपमानजनक व्यवहार करने की वजह से लिए सोशल मीडिया पर फटकार लगाई गई। पाकिस्तान में सऊदी दूतावास के अनुसार दोनों देशों के मंत्रियों ने क्षेत्र में वर्तमान घटनाओं पर चर्चा करने और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में बैठक की। लेकिन मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान कुरैशी अपना एक पैर दूसरे पैर पर चढ़ाकर बैठे हुए थे और उनका पैर (जूते सहित) सऊदी राजदूत की ओर था, जिस पर कई सऊदी लोगों ने अपनी आपत्ति जताई है। ट्विटर और अन्य प्लेटफॉर्म पर सोशल मीडिया यूजर्स ने कुरैशी के इस अभद्र व्यवहार पर गुस्से में प्रतिक्रिया दी।

सऊदी जनता ने इस बैठक को अलग तरीके से लिया है। एक यूजर ने कॉमेंट किया, 'पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने सऊदी विदेश मंत्री का बहुत ही गलत तरीके से स्वागत किया है। एक अन्य सऊदी ट्विटर यूजर ने कहा, 'सच कहूं, अगर मैं सऊदी राजदूत होता, तो मैं बैठक छोड़कर चला जाता।' ऐसा नहीं है कि नाराजगी केवल सऊदी नागरिकों की ओर से ही जताई जा रही है, बल्कि कुछ पाकिस्तानियों ने भी विदेश मंत्री के बैठने की स्थिति की निंदा की है। एक पाकिस्तानी नागरिक ने सोशल मीडिया पर लिखा कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री को कई चीजें सीखने की सख्त जरूरत है। पाकिस्तान हर साल सऊदी अरब से भीख मांगता है।

पेंशनर्स के लिए जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की तारीख बढ़ी

मुंबई (ईएमएस)। नए साल में सरकार ने पेंशनभोगियों के लिए जीवन प्रमाण पत्र (लाइफ सर्टिफिकेट) जमा कराने की आ?खिरी तारीख को बढ़ा दिया है। अभी तक पेंशनभोगी के लिए ये काम करने की तारीख 31 दिसंबर तक थी लेकिन अब पेंशनर्स अपना लाइफ सर्टिफिकेट 28 फरवरी 2022 तक जमा करा सकते हैं। पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने दूसरी बार डेडलाइन बढ़ाने की घोषणा की है। गौरतलब है ?कि हाल ही में सरकार ने लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की अंतिम तिथि को 30 नवंबर से बढ़ाकर 31 दिसंबर किया था और अब इसे 28 फरवरी 2022 तक के लिए बढ़ा दिया गया है। सरकार के इस कदम से उन लोगों को राहत मिलेगी, जिन्होंने निर्धारित तिथि तक प्रमाण पत्र जमा नहीं करा पाया था। जीवन प्रमाण पत्र देश भर में पेंशनभोगियों के लिए बिना किसी परेशानी या ब्रेक के अपना मासिक भत्ता यानी पेंशन पाने का महत्वपूर्ण दस्तावेज है। पेंशनर्स पेंशन वितरण प्राधिकरणों (पीडीए) जैसे बैंकों, डाकघरों और अन्य से मिलता पेंशन पाने वाले पेंशनधार अपने घर बुलाकर भी अपना लाइफ सर्टिफिकेट दे सकते हैं।

सीसीआई ने एप्पल के खिलाफ जांच का आदेश दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने ऐप स्टोर से सम्बंधित कथित अनुचित व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर एप्पल के खिलाफ विस्तृत जांच का आदेश दिया। सीसीआई ने अपने 20 पृष्ठ के आदेश में कहा कि एप्पल का ऐप स्टोर ही ऐप डेवलपर्स के लिए आईओएस उपभोक्ताओं को अपने ऐप वितरित करने का एकमात्र जरिया है। हर आईफोन मोबाईल और आईपैड में ऐप स्टोर पहले से ही होता है। आदेश में कहा गया है ?कि किसी तीसरे पक्ष के ऐप स्टोर को एप्पल के ऐप स्टोर पर सूचीबद्ध होने की अनुमति नहीं है। एप्पल अपने दिशानिर्देशों के साथ-साथ अनुबंधित ऐप डेवलपर्स को ऐसी सेवाओं की पेशकश करने से रोकता है। इस तरह के प्रतिबंध से एप्पल संभावित ऐप वितरकों के लिए बाजार को सी?मित कर देता हैं। सीसीआई के अनुसार प्रथम दृष्टि में प्रतिस्पर्धा मानदंडों के उल्लंघन में संभावित ऐप वितरकों, ऐप स्टोर डेवलपर्स के लिए बाजार पहुंच को सी?मित करता है। इन वजहों का हवाला देते हुए नियामक ने अपने महानिदेशक (डीजी) द्वारा विस्तृत जांच का आदेश दिया है।

देश में आठ प्रमुख बुनियादी सेक्टर्स का उत्पादन नवंबर में बढ़ा

मुंबई (ईएमएस)। देश के आठ प्रमुख क्षेत्रों में नवंबर महीने में उत्पादन 3.1 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में इसमें 1.1 प्रतिशत गिरावट रही थी। वा?णिज्य मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। आंकड़ों के मुताबिक मौजूदा वित्त वर्ष के पहले 8 महीनों यानी अप्रैल से नवंबर 2021 तक देश के 8 बुनियादी सेक्टरों की ग्रोथ रेट 13.7 फीसदी रही। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में इन सेक्टर्स की ग्रोथ रेट -11.1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। बता दें कि देश के आठ प्रमुख बुनियादी क्षेत्रों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, स्टील, सीमेंट और बिजली शामिल है। सरकार की तरफ से जारी आंकड़ों में कहा गया है कि नवंबर 2021 में कोयला उत्पादन में 8.2 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस के उत्पादन में 23.7 प्रतिशत, रिफाइनरी उत्पादों में 4.3 प्रतिशत, उर्वरक उत्पादन में 2.5 प्रतिशत, स्टील उत्पादन में 0.8 प्रतिशत और बिजली उत्पादन में 1.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

नए साल का पहला दिन एलन मस्क को पड़ा भारी, लगा 3 बिलियन डॉलर का फटका

वॉशिंगटन (ईएमएस)। नए वर्ष का पहला दिन दुनिया के सबसे रईस कारोबारी एलन मस्क काफी भारी पड़ गया। दरअसल, दुनियाभर में एलन मस्क की दौलत में सबसे बड़ी गिरावट आई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक साल के पहले दिन एलन मस्क की दौलत में 3.19 बिलियन डॉलर की गिरावट देखी गई है। एलन मस्क के बाद फेसबुक के मार्क जुकरबर्ग और अमेजन के जेफ बेजोस की दौलत भी क्रमश: 2.91 बिलियन डॉलर और 1.93 बिलियन डॉलर कम हो गई है।

एलन मस्क की कुल दौलत: ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की दौलत 270 बिलियन डॉलर है। वहीं, मार्क जुकरबर्ग की दौलत 125 बिलियन डॉलर और जेफ बेजोस की दौलत 192 बिलियन डॉलर है। रैंकिंग में एलन मस्क पहले और जेफ बेजोस दूसरे स्थान पर हैं। वहीं, बात करें मार्क जुकरबर्ग की तो उनकी रैंकिंग छठवीं है।

भारत के अरबपतियों का हाल: साल के पहले दिन भारत के अरबपति मुकेश अंबानी की दौलत में इजाफा हुआ है। अंबानी की कुल दौलत 285 मिलियन डॉलर बढ़कर 90.0 बिलियन डॉलर पर पहुंच गई है। वह, दौलतमंद अरबपतियों की सूची में 12वें स्थान पर बने हुए हैं। वहीं, गौतम अडानी दुनिया के 14वें सबसे अमीर अरबपति हैं। गौतम अडानी की दौलत 1.21 बिलियन डॉलर बढ़कर 76.5 बिलियन डॉलर हो गई है।

मालूम हो कि एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंग भारत में सेटेलाइट के माध्यम से ब्रॉडबैंड सर्विस देने वाली है। इसके लिए कंपनी की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। इसके अलावा मस्क की इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी टेस्ला भी भारत में आने की तैयारी में है।

आजादी अपराध नहीं है, चीन की तानाशाही के खिलाफ होगी लोकतंत्र की जंग : ताइवान

ताइपे (ईएमएस)। चीन की ताइवान पर दादागीरी नई बात नहीं है पर नए साल पर ताइवान ने बीजिंग शासकों को नसीहत दी है। ताइवान ने चीन से कहा है कि आजादी अपराध नहीं है। तानाशाही के खिलाफ लोकतंत्र की जंग होगी। ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन ने शनिवार को बताया कि चीन की तरफ से मिलिट्री और डिप्लोमैटिक दबाव की वजह से ताइवान को अपनी आजादी और प्रजातंत्र को लेकर काफी दबाव का सामना करना पड़ा है।

नए साल के मौके पर अपने संबोधन के दौरान राष्ट्रपति ने कहा, 'प्रजातंत्र और आजादी के लिए काम-काज करना अपराध नहीं। हॉन्ग कॉन्ग के समर्थन में ताइवान की स्थिति नहीं बदलेगी। अपनी चिंताओं को जाहिर करने के बावजूद मुश्किल से हासिल की गई अपनी आजादी और प्रजातंत्र को लेकर हम काफी गंभीर हैं और इसे एन्जॉय भी करते हैं।'

ताइवान की राष्ट्रपति ने चीन का नाम लेकर कहा कि हम ताइवान को पहले से भी बेहतर बनाएंगे। हम दुनिया को यह दिखा देंगे कि प्रजातांत्रिक ताइवान में हौसला है कि वो सत्तावादी चीन के छाया से बाहर निकल कर और भी बेहतर बन सकता है और अब हम दबाव झेल सकते हैं।

मालूम हो कि दशकों से ताइवान में अलग शासन है। बावजूद इसके चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। चीन के आक्रामक रूख का जवाब देने के लिए ताइवान यूएस समेत कई अन्य लोकतांत्रिक देशों के साथ अपने रिश्तों को मजबूत कर रहा है। चीन ने तो ताइवान को यहां तक धमकी दी है कि उसकी आजादी का मतलब युद्ध है।

चीन की तरफ से लगातार डिप्लोमैटिक दबाव बढ़ने की वजह से ताइवान की राष्ट्रपति ने कहा कि देश की आजादी, प्रजातंत्र को बचाए रखने के लिए दुनिया से जुड़ना जरूरी है। उन्होंने कहा कि दुनिया से जुड़े रहने पर हमारा आर्थिक विकास जारी रहता है, हमारा सोशल सिक्यूरिटी नेटवर्क भी मजबूत बना रहता है और इससे हमारे देश की आत्मसम्मान की भी रक्षा होती है। यही रणनीति साल 2022 में यहां स्थाई सरकार के लिए जरूरी है।

मालूम हो कि नए साल के मौके पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने देश की जनता को संबोधित किया है,जिसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने देश की जनता से वादा किया है, कि वो ताइवान को 'मुख्य भूमिचीन' में मिलाकर ही रहेंगे। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को अपने नए साल के संबोधन में मुख्य भूमि के साथ ताइवान के एकीकरण को ठआकांक्षाठ के रूप में चिह्नित किया और कम्युनिस्टपार्टी का प्रमुख लक्ष्य ताइवान पर चीन का अधिकार करना बताया।

नए साल में 100 रुपए सस्ता हुआ एलपीजी सिलेंडर

नई दिल्ली (ईएमएस)। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनी इंडियन ऑयल (आईओसी) ने साल 2022 की शुरुआत में लोगों को बड़ा तोहफा दिया है। इंडियन ऑयल ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 100 रुपए की कटौती कर दी है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इससे पहले पिछले साल दिसंबर महीने में इंडियन ऑयल ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ाए थे। दिसंबर में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के भाव में 100 रुपए की वृद्धि की गई थी। कमर्शियल सिलेंडर के भाव में कमी करने से रेस्टोरेंट और होटल चलाने वाले कारोबारियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 2001 रुपए हो गई है। कोलकाता में 2077 रुपए और मुंबई में 1951 रुपए हो गई है। घरेलू एलपीजी की कीमत में अभी कोई बदलाव नहीं किया गया है। आखरी बार पिछले साल अक्टूबर में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के भाव बढ़ाए गए थे। दिल्ली और मुंबई में बिना सब्सिडी वाले 14.2 किलो के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 899.50 पैसे है। कोलकाता में घरेलू एलपीजी 926 रुपए का मिल रहा है जबकि चेन्नई में 915.50 पैसे में मिल रहा है।

ड्रैगन का नया दावा, अरुणाचल प्रदेश को बताया पुराना जांगनान

बीजिंग (ईएमएस)। चीन ने अरुणाचल प्रदेश में 15 और स्थानों के नामकरण का बचाव कर नया दावा किया कि ''तिब्बत का दक्षिणी भाग प्राचीन काल से चीनी क्षेत्र का हिस्सा है।'भारत ने चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के 15 स्थानों के नाम बदलने के कदम पर कड़ी आपत्ति जताकर कहा कि यह राज्य हमेशा से भारत का अभिन्न अंग रहा है और हमेशा रहेगा क्योंकि ''गढ़े'' गए नामों से तथ्य नहीं बदलेगा। चीन ने भारत के पूर्वोत्तर के राज्य अरुणाचल प्रदेश में 15 और स्थानों के लिए चीनी अक्षरों, तिब्बती और रोमन वर्णमाला के नामों की घोषणा की, जिसके बाद भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी।

चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा बताता है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, ''हमने इस तरह की रिपोर्ट देखी है। ऐसा पहली बार नहीं है जब चीन ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों के नाम बदलने का प्रयास किया है। चीन ने अप्रैल 2017 में भी इस तरह से नाम बदलने की कोशिश की थी।'' उन्होंने कहा, ''अरुणाचल प्रदेश सदैव भारत का अभिन्न अंग था और हमेशा ही रहेगा। अरुणाचल में स्थानों के नाम गढ़ने से यह तथ्य नहीं बदलेगा।'' भारत की टिप्पणी को लेकर प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा, जांगनान (चीन के तिब्बत का दक्षिणी भाग) चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में स्थित है।''

लिजियान ने कहा, यह प्राचीन काल से चीन का क्षेत्र रहा है। चीन अरुणाचल प्रदेश को जांगनान कहता है। इससे पहले, लिजियान ने कहा, तिब्बत का दक्षिणी हिस्सा चीन के तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र से संबंधित है और यह चीन का अंतर्निहित क्षेत्र रहा है।'' लिजियान ने कहा, ''चीन के जातीय अल्पसंख्यक जैसे मोइनबा और तिब्बती जातीय समूह इस क्षेत्र में लंबे समय से रह रहे हैं और काम कर रहे हैं और कई जगहें के नाम दिए गए हैं।''

गठबंधन सेना के गलती से किए गए हवाई हमलों में यमन के 12 सैनिकों की मौत

सना (ईएमएस)। सऊदी अरब के नेतृत्व वाली गठबंधन सेना ने गलती से सहयोगी यमन सरकार समर्थक सुरक्षा बलों के एक शिविर पर हवाई हमला कर दिया। इस हमले में कम से कम 12 सैनिकों की मौत हो गई है। यमन की सेना के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने अपनी पहचान गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि हवाई हमले गुरुवार को शाबवा प्रांत में किए गए, जिसमें कम से कम आठ सैनिक घायल हुए हैं। सऊदी अरब के नेतृत्व वाली गठबंधन सेना ने इस संबंध में अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

यह गठबंधन सेना यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करती है। यमन 2014 से ही गृह युद्ध के हालातों का सामना कर रहा है, जब से ईरान के समर्थन वाले हैती विद्रोहियों ने राजधानी सना समेत देश के कई अन्य शहरों पर कब्जा कर लिया है। सन 2015 में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने विद्रोहियों को खदेड़ने और अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार को सत्ता में पुन: स्थापित करने के लिए अपना एक अभियान शुरू किया था।

सरकार ने निर्यातकों के लंबित बकाए के आवेदन जमा करने की तारीख बढ़ाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने निर्यातकों के लिए विभिन्न निर्यात संवर्धन योजनाओं के तहत अपने लंबित बकाया का दावा करने संबंधी ऑनलाइन आवेदन जमा करने की आ?खिरी तारीख बढ़ाकर 31 जनवरी, 2022 कर दी है। वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। सरकार ने नौ सितंबर को विभिन्न निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं के तहत निर्यातकों के लंबित कर रिफंड के लिए 56,027 करोड़ रुपए जारी करने की घोषणा की। मंत्रालय ने इसी साल 17 सितंबर को आखिरी तारीख 31 दिसंबर तय की थी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा ?कि एमईआईएस (भारत से वस्तु निर्यात योजना), एसईआईएस (भारत से सेवा निर्यात योजना), आरओएससीटीएल (राज्यों और केंद्रीय करों और शुल्कों में छूट), आरओएसएल (राज्य शुल्कों में छूट) के तहत आवेदन जमा करने की आ?खिरी तारीख को दो प्रतिशत अतिरिक्त तदर्थ प्रोत्साहन की अवधि को 31 जनवरी, 2022 तक बढ़ा दिया गया है।

एटीएम से पैसे निकालना हुआ महंगा, 21 रुपए की होगी कटौती

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। नए साल एक जनवरी से एटीएम से पैसे निकालना महंगा होने वाला है। भारतीय रिजर्व बैंक ने जून में निर्देश जारी किया था जिसके अनुसार बैंकों के ग्राहकों को एक जनवरी 2022 से नि:शुल्क सीमा से अधिक बार एटीएम निकासी करने पर 21 रुपए की दर से भुगतान करना होगा। रिजर्व बैंक का यह निर्देश एक जनवरी 2022 से लागू हो गया है। अभी बैंकों को निर्धारित सीमा से अधिक बार नकद निकासी पर 20 रुपए का शुल्क लेने की अनुमति है। बैंकिंग ग्राहकों के लिए राहत की बात यह है कि एक जनवरी से वे पहले की तरह अपने बैंक के एटीएम से नि:शुल्क पांच लेनदेन कर सकेंगे। इसमें नकद निकासी के अलावा गैर-वित्तीय लेनदेन भी शामिल हैं। इसके अलावा बैंकिंग ग्राहक अपने बैंक के अलावा दूसरे बैंक के एटीएम से महीने में मेट्रो शहरों में तीन लेनदेन और गैर-मेट्रो शहरों में पांच लेनदेन भी कर पाएंगे। आरबीआई ने पहले बैंकों को वित्तीय लेनदेन के लिए 17 रुपए की दर से इंटरचेंज शुल्क लगाने और गैर-वित्तीय लेनदेन के लिए छह रुपए का शुल्क लगाने की अनुमति दी थी। यह बढ़ी हुई दर एक अगस्त 2021 से लागू होनी थी। लेनदेन शुल्कों में वृद्धि का फैसला एटीएम मशीनें लगाने और रखरखाव से जुड़ा बैंकों का खर्च बढ़ने की वजह से लिया गया है। इससे वित्तीय इकाइयों की अपेक्षाओं एवं ग्राहकों की सुविधा के बीच संतुलन स्थापित होने की उम्मीद है। केंद्रीय बैंक ने एटीएम संचालन की समीक्षा के लिए जून 2019 में भारतीय बैंक संघ के मुख्य कार्यकारी की अगुआई में एक समिति बनाई थी।

पाकिस्तान की जेल में बंद भारतीयों की वापसी की कवायद हुई तेज

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तानी जेल में बंद भारतीय नागरिकों व मछुआरों को भारत वापस लाने की कवायद को तेज कर दिया गया है। शुक्रवार को भारत की ओर से पाकिस्तानी उच्चायोग को नागरिक कैदियों व मछुआरों की सूची सौंपी गई है। वहीं पाकिस्तान ने भी इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग को ऐसी ही सूची सौंपी है। दरअसल, 2008 के समझौते के तहत दोनों देश हर साल एक जनवरी और एक जुलाई को ऐसी ही सूचियों का आदान प्रदान करते हैं।

इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तान में बंद भारतीय नागरिकों और लापता रक्षा कर्मियों, मछुआरों को उनकी नौकाओं के साथ जल्द से जल्द रिहा करने को कहा है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दो भारतीय नागरिक कैदियों और 356 भारतीय मछुआरों को जल्द से जल्द रिहा करने को कहा गया है। इन नागरिकों की राष्ट्रीयता की पुष्टि की जा चुकी है।

तालिबान के सत्ता में आते ही पाकिस्तान में आंतकी हमलों में तेजी आई

लाहौर (ईएमएस)। दुनियाभर में आतंक का पनाहगार पाकिस्तान खुद ही आतंकी हमलों से त्रस्त हो चुका है। ताजा रिपोर्ट में इसका दावा किया गया है, कि अफगानिस्तान में तालिबानी सत्ता शुरू होने के साथ ही पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में तेजी हुई है।रिपोर्ट कहती है कि अगस्त 2021 में पाकिस्तान में सबसे ज्यादा आतंकी हमले हुए। ये वहीं समय है, जब तालिबान की सत्ता शुरू हुई। पाकिस्तान में प्रति माह आतंकवादी हमलों की औसत संख्या 2020 के 16 से बढ़कर 2021 में 25 हो गई, जो 2017 के बाद सबसे अधिक थी।

ताजा शोध में कहा गया है कि 2021 में पाकिस्तान में सर्वाधिक आतंकी हमले हुए। महीनेवार देखा जाए,तब अगस्त माह में 45 आतंकी हमले अंजाम दिए गए हैं।

वहीं, स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार संस्थान ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 10 नवंबर से 10 दिसंबर तक एक महीने के संघर्ष विराम के बावजूद आतंकवादी हमलों की कुल संख्या में कमी नहीं आई है। उधर, पाकिस्तान प्रकाशन ने कहा है कि पाकिस्तान में प्रति माह आतंकवादी हमलों की औसत संख्या 2020 में 16 से बढ़कर 2021 में 25 हो गई, जो 2017 के बाद सबसे अधिक थी।

बलूचिस्तान सबसे अशांत प्रांत रहा जहां 103 हमलों में 170 मौतें दर्ज हुईं। रिपोर्ट के अनुसार, सबसे अधिक घायलों की संख्या बलूचिस्तान से भी दर्ज की गई, जहां कुल घायलों में से 50 प्रतिशत से अधिक दर्ज किए गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि खैबर पख्तूनख्वा बलूचिस्तान के बाद दूसरा सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र रहा।

विशेषज्ञ इसके पीछे अफगानिस्तान में तालिबान को सत्ता को बताते हैं। उनका कहना है कि इसमें पाकिस्तान की भूमिका काफी अहम रही। पाकिस्तान ने सार्वजनिक रूप से क्षेत्रीय संघर्ष को समाप्त करने का समर्थन किया लेकिन अंतत: किसी भी प्रकार की शांति को स्थापित नहीं कर सका क्योंकि इसके पीछे पाकिस्तान के नेताओं का निजी स्वार्थ रहा। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह का कृत्य विशेष रूप से पाकिस्तान पर उसके सैन्य और खुफिया प्रतिष्ठान पर उल्टा पड़ सकता है।

गुजरात में कोरोना ने लगाई बड़ी छलांग, 24 घंटों में 1069 नए मामले, एक मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना के तीसरी लहर की दस्तक हो चुकी है। पिछले 24 घंटों में कोरोना के नए मामले करीब दोगुने के करीब पहुंच गए है। शुक्रवार को गुजरात में कोरोना के 654 नए केस दर्ज हुए थे, वहीं शनिवार को यह आंकड़ा 1069 पर पहुंच गया है। जबकि 103 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया है। राज्य में रिकवरी रेट घटकर 98.31 प्रतिशत रह गया है। वहीं नवसारी में कोरोना से एक मरीज की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सबसे अधिक 559 नए केस दर्ज हुए है। वहीं सूरत कॉर्पोरेशन में 156, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 61, राजकोट कॉर्पोरेशन में 41, आणंद में 39, खेडा में 39, कच्छ में 22, वलसाड में 21, राजकोट में 20, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 17, गांधीनगर में 9, नवसारी में 9, मोरबी में 8, सूरत में 8, भरुच में 7, दाहोद में 6, साबरकांठा में 6, वडोदरा में 6, जामनगर कॉर्पोरेशन में 5, अमरेली में 4, भावनगर कॉर्पोरेशन में 4, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 4, गिर सोमनाथ में 3, जूनागढ़ में 3, मेहसाणा में 3, जामनगर में 2, महीसागर में 2, तापी में 2, अरवल्ली में 1, बनासकांठा में 1 और देवभूमि द्वारका में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 1069 नए केस सामने आए है। जबकि 103 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। जिसमें अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 25, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 20, सूरत कॉर्पोरेशन में 14, वलसाड में 11, खेडा में 9, नवसारी में 5, जामनगर कॉर्पोरेशन में 5, अहमदाबाद में 3, बनासकांठा में 2, जूनागढ़ में 2, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 2, भरुच में 1, साबरकांठा में 1, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 1 और मेहसाणा में 1 व्यक्ति को डिस्चार्ज किया गया। दक्षिण गुजरात के नवसारी में आज एक और मरीज की मौत के साथ राज्य में कोरोना से मरने वालों की संख्या 10119 हो गया है। गुजरात में कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या चार हजार के करीब पहुंच गई है। शनिवार को 1069 नए केसों के साथ राज्य में कोरोना के 3927 हो गई है, जिसमें 3916 स्टेबल हैं और 11 मरीज वेन्टीलेटर पर है। शनिवार को राज्यभर में 152072 नागरिकों का टीकाकरण किया गया। जिसमें 2 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 413 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 6106 को पहला और 34565 लोगों को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया। 18 वर्ष से 45 वर्ष आयु समूह के 19728 को पहली और 91258 लोगों को कोविड की दूसरी वैक्सीन दी गई। राज्य में अब तक 8 करोड़ 95 लाख 87 हजार 417 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

नए साल पर आम आदमी को झटका, सीएनजी कीमत में 2.50 रुपए की वृद्धि

अहमदाबाद (ईएमएस) नए साल के पहले ही दिन आम आदमी को बड़ा झटका लगा है। अहमदाबाद में प्रति किलो सीएनजी की कीमत में ढाई रुपए की वृद्धि कर दी गई है। पेट्रोल-डीजल के बाद सीएनजी की कीमतें बढ़ने से आम आदमी की मुश्किलें बढ़ गई है। पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों के चलते लोगों ने सीएनजी की ओर रुख किया था। लेकिन अब सीएनजी की कीमतों में भी आग लग गई है। नए साल के प्रारंभ होते ही फिर एक बार प्रति किलो सीएनजी की कीमत में रु. 2.50 की वृद्धि की गई है। 24 अगस्त के बाद अलग अलग सीएनजी कंपनियों ने मूल्य वृद्धि की है। पहले साबरमती और गुजरात गैस ने प्रति किलो सीएनजी में 2 रुपए का इजाफा किया था। जबकि अदाणी ने एक रुपया बढ़ाया था। सीएनजी की कीमतें बढ़ने से वाहन चालक खासकर ऑटो रिक्शा चालक पहले से परेशान थे, ऐसे में फिर एक बार इसमें ढाई रुपए की वृद्धि की गई है। प्रति किलो सीएनजी में रु. 2.50 की वृद्धि के साथ इसकी कीमत 70 रुपए को पार कर गई है।

गुजरात में 23 नए मामलों के साथ ओमिक्रॉन का आंकड़ा पहुंचा 136 पर, 65 डिस्चार्ज

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना के साथ ओमिक्रॉन कहर बरपा रहा है। धीरे धीरे ओमिक्रॉन का आंकड़ा 136 पर पहुंच गया है। हांलाकि इसमें से अब तक 65 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए हैं और राहत की बात यह है कि इस रोग से अब तक कोई मौत नहीं हुई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 11, सूरत कॉर्पोरेशन में 4, आणंद में 2, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 2, कच्छ में 2, खेडा में 1 और राजकोट में एक समेत राज्य में ओमिक्रॉन के 23 नए मामले सामने आए है। जिसमें 12 लोगों की इंटरनेशनल ट्रावेल हिस्ट्री है, जबकि 11 की ऐसी कोई हिस्ट्री नहीं है। 23 नए केसों के साथ राज्य में ओमिक्रॉन का आंकड़ा 136 हो गया है। जिसमें सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 50, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 23, सूरत कॉर्पोरेशन में 16, आणंद में 13, खेडा में 7, राजकोट में 6, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 5, मेहसाणा में 4, जामनगर कॉर्पोरेशन में 3, भरुच में 2, कच्छ में 2, वडोदरा में 1, पोरबंदर में 1, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 1, बनासकांठा में 1 और अमरेली में 1 समेत कुल 136 मामे शामिल है। 136 में से 65 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है।

3 से 9 जनवरी किशारों के लिए खास अभियान चलाया जाएगा : स्वास्थ्य सचिव

अहमदाबाद (ईएमएस) स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल ने आज कहा कि कोविड-19 से 15 से 18 वर्षीय किशोरों को सुरक्षित करने के लिए राज्यभर में 3 जनवरी से 9 जनवरी 2022 के दौरान खास अभियान चलाया जाएगा। इस महाभियान के तहत एक भी किशोर वैक्सीन से छूट नहीं जाएगा इसके 7 जनवरी को संनिष्ठ प्रयास किए जाएंगे। आज इस संदर्भ में राज्य के महानगर पालिका आयुक्त और जिला कलेक्टरों के साथ अभियान की तैयारी के बारे में चर्चा की गई और जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए है। मनोज अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के मार्गदर्शन में वैक्सीनेशन अभियान की संपूर्ण तैयारी और व्यवस्था कर ली गई है। इस अभियान के तहत 15 से 18 वर्षीय करीब 36 लाख किशोरों को वैक्सीनेट किए जाने का आयोजन है। जिसमें स्कूल, आईटीआई और स्कूल नहीं जाने वाले किशोरों का भी वैक्सीनेशन किया जाएगा। साथ ही दिव्यांग संस्थाएं, अनाथ आश्रम और मानसिक रूप से अस्वस्थ किशोरों का भी टीकाकरण इस अभियान के दौरान किया जाएगा। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि फिलहाल इन किशोरों को वैक्सीन का पहला डोज दिया जाएगा और इसके लिए राज्य में पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन का स्टॉक उपलब्ध है। राज्य में करीब 3500 से अधिक सेंटर कार्यरत किए जाएंगे। साथ ही स्थानीयस्तर पर जरूरत के मुताबिक सेशन बढ़ाया जाएगा। फिलहाल सुबह 9 से शाम 6 बजे तक टीकाकरण समय निर्धारित किया गया है, जिसे बढ़ाया भी जा सकता है। किशोरों के टीकाकरण के लिए आज से रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है और ऑन द साइट भी पंजीकरण कराया जा सकेगा। पंजीकरण के दौरान आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसंस जरूरी होगा। ऐसे कोई प्रमाण नहीं होने पर कोई किशोर वैक्सीनेशन से वंचित नहीं रहे इसके लिए कोई एक मोबाइल देना होगा। जिसमें माता-पिता, मित्र या स्कूल के शिक्षक या आचार्य के मोबाइल से रजिस्ट्रेशन कर वैक्सीनेशन किया जाएगा। अग्रवाल ने बताया कि इस अभियान के तहत 7 जनवरी से राज्यभर में खास महा अभियान शुरू किया जाएगा, जिसमें सभी किशोरों और कक्षा 10 में अध्ययनरत किशोरों के टीकाकरण पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया जाएगा, ताकि बोर्ड की परीक्षा के दौरान कोई प्रकार की तकलीफ नहीं हो। उन्होंने कहा कि 60 वर्ष से अधिक आयु के कोमोर्बिड वयस्कों, फ्रंट लाइन वर्कर, हेल्थ केयर वर्कर को भी आगामी 10 जनवरी से प्रिकोशन डोज देने की पूरी तैयारी कर ली गई है। जिसमें करीब 13 से 14 लाख वयस्कों का डेटा स्वास्थ्य विभाग के पास तैयार है। हांलाकि प्रिकोशन डोज दूसरा टीका लगवाने के 39 सप्ताह के बाद दिया जाएगा।

जेल से अतीक अहमद की दबंगई फोन करके रिश्तेदार से मांगे पांच करोड़

अहमदाबाद (ईएमएस)। अहमदाबाद जेल से फोन करके अपने एक रिश्तेदार से पांच करोड़ रुपये मांगने का अतीक अहमद पर आरोप लगा है। प्रॉपर्टी हड़पने और जानलेवा हमले के मामले में करेली पुलिस ने शुक्रवार को अतीक के बेटे अली के दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया। मौके पर एक गाड़ी और पिस्टल बरामद की है। पीड़ित ने अतीक, बेटे अली समेत अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस अब अतीक के बेटे की तलाश में दबिश दे रही है। पूर्व सांसद अतीक अहमद के साढ़ू इमरान का परिवार चकिया में रहता है। इमरान के भाई मो. जीशान ने पुलिस को बताया कि वह प्रॉपर्टी डीलिंग करता है। करेली के एनुद्दीनपुर में अपने भाई व भांजे समेत छह युवकों के साथ पुश्तैनी प्लॉट पर मौजूद था। एफआईआर के मुताबिक उसके प्लॉट पर अतीक का बेटा अली, असद, कछौली, सैफ, इमरान गुड्डू, अमन, संजय सिंह और 15 अन्य पहुंचे। अली के साथियों ने उसे घेर लिया और कहा कि अब्बा से बात करो। इनकार करने पर उसे पिस्टल सटा दी। कहा कि ले बात कर नहीं तो भेजा उड़ा देगा। फोन स्पीकर पर कर दिया और कहा कि बोल। जीशान के बोलते ही उधर से अतीक ने कहा कि यह प्लॉट उनकी पत्नी के नाम कर दो, नहीं तो तुम्हारे और तुम्हारे भाई के हाथ-पैर तोड़ देंगे। या पांच करोड़ रुपये बंगले पर पहुंचा दो। इसके बाद उसकी धुनाई शुरू कर दी। जीशान वहां से अपने साथी के साथ भागकर सीधे करेली थाने पहुंचा। दबंगों ने जेसीबी से उसके प्लॉट पर बनी दीवार गिराना शुरू कर दिया गया। थोड़ी ही देर में दरोगा विजेंद्र यादव समेत कई पुलिसकर्मी मौके पर पहुंच गए। वहां पुलिस को देखते ही अली अपने साथियों के साथ भाग निकला लेकिन सैफ और असद पकड़ लिए गए। करेली पुलिस उन्हें पकड़कर थाने ले गई। इधर, जीशान का भाई हमले से जख्मी पड़ा था। उसके भांजे को भी चोटें आई हैं। जीशान ने बताया कि उसके भाई के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। उसे एसआरएन में भर्ती कराया गया है। डीआईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने बताया कि दो आरोपियों को देसी पिस्टल के साथ पकड़ा गया है। अन्य की तलाश चल रही है। पुलिस की कार्रवाई के दौरान एक आरोपी मौके पर पकड़ लिया गया। जीशान करेली पुलिस को लेकर मौके पर गया था। इस दौरान पकड़े गए सैफ के बारे में जीशान ने बताया कि यह अतीक का आदमी है। अतीक अहमद अहमदाबाद जेल में सड़ रहा है। यह सुनते ही सैफ ने पुलिसकर्मियों के सामने ही उसे धमकाया और कहा कि अतीक का नाम तमीज से लो।

आगामी 10 जनवरी को राज्य के 97 उप पंजीयक कार्यालय बंद रहेंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) राजस्व विभाग के अंतर्गत कार्यरत राज्य के 97 उप पंजीयक कार्यालय आगामी 10 जनवरी को बंद रहेंगे। इस दिन कचहरी में दस्तावेज संबंधी पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण रूप से बंद रहेगी। पंजीकरण निरीक्षक की विज्ञप्ति के मुताबिक पंजीकरण प्रभाग में जिले के विभिन्न उप पंजीयक कचहरी में सेवारत सीधी भर्ती से नियुक्ति पाने वाले उप पंजीयक वर्ग-3 और क्लर्क वर्ग-3 के संवर्ग के कर्मचारियों के लिए आगामी 8, 9 और 10 जनवरी 2022 के दौरान उप पंजीयक की विभागीय परीक्षा का आयोजन किया गया है। गुजरात गौण सेवा द्वारा होनेवाली विभागीय परीक्षा में नियमित उप पंजीयक एवं प्रभारी उप पंजीयक समेत करीब 373 जितने कर्मचारियों के शामिल होने से राज्यभर के 97 जितने कार्यालय बंद रहेंगे। गांधीनगर जिले में माणसा उप पंजीयक कार्यालय संपूर्ण बंद रहेगा। जबकि गांधीनगर उप पंजीयक कार्यालय में कुल 4 में से 2 टोकन स्लोट बंद रहेंगे। मेहसाणा सब रजिस्ट्रार में दो में से एक टोकन स्लोट और कड़ी उप पंजीयक कार्यालय में एक टोकन स्लोट बंद रहेगा। वलसाड जिले के वापी उप पंजीयक कार्यालय में दो में से एक टोकन स्लोट बंद रहेगा। विज्ञप्ति के मुताबिक 10 जनवरी को अहमदाबाद जिले के बावला, साणंद, धोलेरा, धंधुका, विरमगाम, मांडल, धोलका, वेजलपुर और अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में नरोडा-6, ओढव-7 के सब रजिस्ट्रार ऑफीस, अमरेली जिले के बगसरा और वडिया, आणंद जिले में पेटलाद, बोरसद, खंभात, आंकलाव, सोजित्रा, तारापुर, खेडा जिले में महुधा, कपडवंज, वसो और ठासरा, गांधीनगर जिले में माणसा, देवभूमि द्वारका जिले में द्वारका, जूनागढ़ जिले में विसावदर, मालिया हाटीना, भेंसाण, जूनागढ़-2, मेंदरडा, मांगरोल, वंथली, गिर सोमनाथ जिले के वेरावल, कोडीनार, ऊना, दाहोद जिले के दाहोद और झालोद, पाटन जिले के सरस्वती, सिद्धपुर, चाणस्मा, हारिज, शंखेश्वर, राधनपुर, सांतलपुर और महीसागर जिले के वीरपुर सब रजिस्ट्रार ऑफीस बंद रहेगी। इसके अलावा बनासकांठा जिले के वडगाम, दांतीवाडा, दियोदर, शिरोही, सूईगाम, अमीरगढ़, लाखणी, धानेरा, भाभर, भावनगर जिले के भावनगर जोन-1, 2, 3, 4, तलाजा, पालीताणा, शिहोर, गारियाधार, उमराला, वल्लभीपुर, घोघा और जेसर, बोटाद जिले के बोटाद, गढ़डा, राणपुर, बरवाला, मेहसाणा जिले के विसनगर, सतलासणा, बेचराजी, जोटाणा, विजापुर, राजकोट जिले के राजकोट जोन-3 व 8, गोंडल, धोराजी, उपलेटा, जसदण, मोरबी जिले के हलवद, छोटाउदेपुर जिले में क्वांट, नसवाडी, वलसाड जिले में धरमपुर, कपराडा, वापी जिले में दो में से एक टोकन स्लोट संपूर्ण बंद रहेगा। वहीं साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर, तलोद, वडाली, खेडब्रह्मा, विजयनगर, पोशीना, सुरेन्द्रनगर जिले में वढवाण, मूली, लखतर, दसाडा-पाटडी और तापी जिले में वालोड व सोनगढ़ का उप पंजीयक कार्यालय 10 जनवरी 2022 को बंद रहेगा।

अरवल्ली जिले में सरकारी अधिकारियों की शराब पाटी

थर्टी फर्स्ट की पार्टी करते दो उप मामलातदार गिरफ्तार

पुलिस ने दोनों आरोपियों को बाद में सीधे लाइन में चलने को कहने पर वह लड़खड़ाकर चल रहे थे

अहमदाबाद, १ जनवरी ।

वर्ष २०२१ को लोग बाय बाय किया है और २०२२ को भारी उत्साह के साथ स्वागत किया गया है तब दूसरी तरफ कई खाने पीने के शौकीन लोग शराब की पाटियां करके उत्सव मनाया । हालांकि, पुलिस भी सतर्क होकर गहन चेकिंग के साथ निगरानी करके शराब पीए और शराब पार्टी पकड़ी थी ।

गुजरातभर से हजारों लोग शराब पीए हालत में मिल गये । अब अरवल्ली जिले में भी सरकारी अधिकारियों की शराब पार्टी-पकड़ी गई थी । जिसमें से दो उप मामलातदार गिरफ्तार हुए । जिसकी वजह से पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है । मिली जानकारी के अनुसार उत्तर गुजरात में स्थित अरवल्ली जिले के अणियोर गांव में पुलिस की टीम पहुंची थी । जहां गीता किसान सेवा केंद्र पेट्रोल पंप के पीछे के रुम में थर्टी फर्स्ट की शराब की मेहफिल चलती हुई पकड़ी गई थी । यह शराब की मेहफिल में दो सरकारी अधिकारी पुलिस के द्वारा गिरफ्तार हुए । पुलिस शराब की मेहफिल का मजा लेते मालपुर और बायड के उप मामलातदार जैमिन पटेल और निलेश पटेल शराब पीए हालत में गिरफ्तार हुए । इसके अलावा मेहफिल में अन्य दो व्यक्ति भी मौजूद थे । पुलिस ने रुम में रहे सभी की पूछताछ करने पर आरोपी नाम बता रहे थे । जिसकी वजह से मुंह सूंघने पर शराब के नशे में होने का मालूम हुआ था । पुलिस ने दोनों आरोपी को बाद में सीधे लाइन में चलने को कहने पर वह लड़खड़ाकर चल रहे थे । पुलिस ने दोनों सरकारी अधिकारी से शराब की परमिट मांगने पर उनके पास परमिट नहीं होने का बताया गया । जिसकी वजह से पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरूद्ध प्रोहीबिशन एक्ट के तहत अपराध दर्ज करके कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है । अरवल्ली के मालपुर और बायड के दो उप मामलातदार अणीयोर गांव में शराब के नशे में मिल गये । यह मामले में पुलिस की टीम ने सभी गिरफ्तार करके प्रोहीबिशन एक्ट के तहत अपराध दर्ज करके आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है ।

ट्रांसफर्मर में फंसे पतंग निकालने की कोशिश में 12 वर्षीय किशोर ने गंवाई जान

सूरत (ईएमएस) शहर के भेस्तान क्षेत्र में ट्रांसफर्मर में फंसे पतंग निकालने की कोशिश में 12 वर्षीय एक किशोर की मौत हो गई। बता दें कि बीते दिन अडाजण क्षेत्र के नीलकंठ एवन्यू के पांचवीं मंझिल पर पतंग उडा रहे एक मासूम बच्चे की नीचे गिरने से मौत हो गई थी। मासूम बच्चे के बाद पतंग ने एक और किशोर की जिंदगी की डोर काट दी। जानकारी के मुताबिक सूरत के भेस्तान क्षेत्र में रहनेवाला 12 वर्षीय फरदीन फिरोज शेख कल शाम भेस्तान स्थित इलेक्ट्रिक ट्रांसफर्मर में धमाका होने से बुरी तरह झुलस गया था। गंभीर हालत में फरदीन शेख को सूरत के नए सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां आज सुबह फरदीन की मौत हो गई। फरदीन के पिता फिरोज शेख ने बताया कि बीती शाम भेस्तान आवास क्षेत्र के मैदान में लगे ट्रांसफर्मर में एक पतंग फंसा हुआ था। फरदीन ट्रांसफर्मर में फंसे पतंग को निकालने का प्रयास कर रहा था, उस वक्त अचानक धमाका होने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। फिरोज शेख ने इस घटना के लिए गुजरात विद्युत कंपनी को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि ट्रांसफर्मर के आसपास कोई अवरोध नहीं लगाए गए। विद्युत कंपनी की लापरवाही की जिसकी वजह से मासून फरदीन की चली गई। यदि ट्रांसफर्मर के आसपास अवरोध लगाए गए होते तो फरदीन ट्रांसफर्मर तक नहीं पहुंचता और उसकी बच सकती थी। फिलहाल पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

कोरोना के केस बढ़ने पर स्कूलों में उपस्थिति कम हुई

स्कूलों में फिर से ऑनलाइन शिक्षा शुरू करने की योजना

स्कूल में विद्यार्थियों की उपस्थिति में कमी देखने को मिली है, शुक्रवार को शिक्षा के लिए सिर्फ २० फीसदी विद्यार्थी उपस्थित रह

अहमदाबाद, १ जनवरी ।

कुछ महीने पहले कोविड-१९ के केस में भारी कमी होने पर राज्यभर के स्कूलों के दरवाजे विद्यार्थियों के लिए खोले गये थे । हालांकि, अहमदाबाद सहित गुजरात में फिर से कोरोना के केस में जबरदस्त उछाल आया है । पिछले कई दिनों से स्कूल में जाते बच्चों में भी कोविड-१९ के केस देखने को मिल रहे है, यह एक बड़ी चुनौती है । यह सभी के बीच शहर की कई सेल्फ-फाइनेंस स्कूल फिर से शिक्षा के लिए पूरी तरीके से ऑनलाइन मोड के विकल्प पर विचार कर रही है । जहां तक परिस्थिति सामान्य नहीं हो तब तक वह क्लासरुम बंद करना चाहते है । उदगम स्कूल फॉर चिल्ड्रन और जेबर स्कूल फॉर चिल्ड्रन ने शुक्रवार से ही प्राथमिक विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन शिक्षा शुरू कर दिया है ।

शहरों में केस की बढ़ती संख्या की वजह से यह निर्णय लिया है, यह उदगम स्कूल और जेबर स्कूल के एक्जीक्युटिव डिरेक्टर मनन चौकसी ने बताया । उन्होंने आगे बताया है कि, स्कूल में विद्यार्थियों की उपस्थिति में कमी देखने को मिली है । शुक्रवार को ऑफलाइन शिक्षा के लिए सिर्फ २० फीसदी ही विद्यार्थी मौजूद रहे । सीएन विद्यालय ने सोमवार से ऑनलाइन शिक्षा शुरू करने का निश्चय किया गया है । दीवाली वेकेशन बाद स्कूल में कुछ समय के लिए ऑनलाइन शिक्षा बंद कर दिया था क्योंकि बड़ी संख्या में विद्यार्थी स्कूल में आने लगे थे । शुक्रवार को उपस्थिति में ४० फीसदी की कमी दर्ज की गई थी । इसी वजह से हमने सोमवार से ऑनलाइन शिक्षा शुरू करने का निश्चय किया है, यह सीएन विद्यालय के आचार्य हितेन्द्र त्रिवेदी ने बताया । प्रकाश हाईस्कूल के आचार्य मृगेण शाह ने बताया है कि, सरकार ने इस वर्ष जुलाई से मंजूरी देने के बाद स्कूल में ऑफलाइन शिक्षा शुरू नहीं किया गया । जहां तक स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में नहीं आये तब तक हम ऑनलाइन क्लास जारी रखेंगे यह उन्होंने बताया । कोविड-१९ की वजह से लंबे समय तक बंद रहने के बाद जुलाई से नये शैक्षणिक वर्ष के लिए स्कूल फिर से चरणबद्ध तरीके खोली गई थी ।

चॉकलेट लेने आए 11 वर्षीय किशोरी से दुकानदार की छेड़छाड़, पुलिस ने मामला दर्ज किया

सूरत (ईएमएस) शहर के गोपीपुरा मेइन रोड स्थित दुकान में चॉकलेट लेने गई 11 साल की किशोरी के साथ दुकान के मालिक ने छेड़छाड़ की। दुकान मालिक नीयत भांप चुकी किशोरी तुरंत अपने घर भाग गई और माता-पिता से इसकी शिकायत की। जिसके बाद परिवार की शिकायत के आधार पर अठवा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के गोपीपुरा मेइन रोड स्थित आसापुरी सदन निवासी दर्शन मनहरलाल जरीवाला की दुकान में कल शाम 11 वर्षीय जेम्स चॉकलेट खरीदने गई थी। जहां दुकानदार ने कहा कि जेम्स चॉकलेट तो नहीं है इससे भी अच्छी चॉकलेट दिखाता हूँ। ऐसा कहने के बाद दुकान मालिक ने किशोरी को दुकान के भीतर बुला लिया और उसका हाथ पकड़ कर बोला कि क्या तू मेरी फ्रैंड बनेगी। ऐसा कहते हुए दुकानदार ने किशोरी के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। हांलाकि दुकानदार नीयत भांप चुकी किशोरी तुरंत वहां से भागकर अपने घर पहुंच गई और परिवार से घटना की शिकायत कर दी। जिसके बाद परिजनों ने अठवा पुलिस थाने में दुकानदार दर्शन मनहरलाल जरीवाला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

विडियो बनाकर धमकी देता था

वेश्याओं ने खुलेआम दलाल को पीट दिया

अपने बचाव के लिए युवक ने लाल दरवाजा से शाहीबाग पुलिस कमिश्नर ऑफिस तक भागते हुए पहुंचा था

अहमदाबाद, १ जनवरी ।

शहर के सबसे ज्यादा भीड़भाड़ इलाकों में से एक लाल दरवाजा क्षेत्र में गुरुवार शाम को कुछ ऐसा हुआ जिसे देखकर रास्ते पर जाते प्रत्येक लोग खड़े रह गये । अहमदाबाद के कारंज पुलिस स्टेशन की सीमा में स्थित लाल दरवाजा और रिलीफ रोड पर कई वेश्या वेश्यावृत्ति के लिए रोजाना खड़ी रहती है । यह महिलाओं के साथ ग्राहकों का सौदा कराता एक दलाल भी यहां उपस्थित रहता है । लेकिन गुरुवार शाम को यह वेश्याओं ने किसी मामले में दलाल के साथ विवाद होने पर इसे खुलेआम में भगाकर पीटा था । यह दलाल भागते भागते पुलिस कमिश्नर ऑफिस शाहीबाग तक पहुंचा जिसके पीछे रिक्शा में ७-८ वेश्या पीछे करती करती पहुंची तो दलाल पुलिस कमिश्नर ऑफिस के गेट के पास पहुंचा और बचाओ बचाओ की शोर मचा रहा था । फिर भी वेश्याओं ने यह दलाल को पुलिस कमिश्नर ऑफिस के गेट के सामने से घसीटकर रोड की दूसरी तरफ ले गई थी और पीटा था ।

मिली जानकारी के अनुसार शाम के समय अचानक एक युवक बचाओ बचाओ करते पुलिस कमिश्नर ऑफिस के गेट पर पहुंचा । मौजूद पुलिस कुछ समझे उसके पहले से ही पीछे से दो-तीन रिक्शा में आयी महिलाएं उतरकर यह युवक को पीटने लगी थी । कमिश्नर ऑफिस के गेट पर बैठे पुलिस कर्मी सभी तमासा देख रहे थे लेकिन कोई मध्यस्थ नहीं कर रहा था । कुछ देर में महिलाएं युवक को खींचकर रोड की सामने की तरफ ले गई है और वहां भी जोरदार पीटा था ।

महिला और मार खाने वाले युवक के बीच हो रही बातचीत पर से सामने आया है कि यह महिलाएं रतनपोल रिलीफ रोड के पास खुलेआम वेश्यावृत्ति के लिए खड़ी रहती है ।

यह युवक वहां आते ग्राहकों के पीछे होटल तक जाता और इसका विडियो बना लेता । जिसके बाद ग्राहक बाहर निकले यानी कि उसने धमकी देकर रुपया मांगता था । जिसकी वजह से यह वेश्याओं ने युवक को सबक सिखाने के लिए इस प्रकार से भगाकर पीटा गया था ।

व्हाइट सर्कल में बेटा और कॉर्पोरेटर मां

शराबी बेटे को बचाने के लिए महिला कॉर्पोरेटर ने पुलिस स्टेशन में हंगामा किया

महिला कॉर्पोरेटर का बेटा थर्टी फर्स्ट की रात को शराब पीए हालत में पकड़ा गया था, कॉर्पोरेटर मां कलंकित होने के बदले विवाद करने लगी

वडोदरा, १ जनवरी ।

थर्टी फर्स्ट की रात को वडोदरा शहर में पुलिस द्वारा ब्रेथ एनेलाइजर से शराब पीए लोगों की चेकिंग करने का अभियान शुरू किया गया ।

इस दौरान देर रात को वार्ड नंबर १४ की भाजपा महिला कॉर्पोरेटर जेलमबहन चौकसी का बेटा कृणाल नशे की हालत में पकड़ा गया । इसके बाद पुलिस द्वारा इसे पुलिस स्टेशन ले गये । इस मामले में महिला कॉर्पोरेटर को जानकारी मिलने पर वह पुलिस स्टेशन पहुंच गई और शराबी बेटे को बचाने के लिए पुलिस स्टेशन में हंगामा किया । मीडिया रिपोर्ट के अनुसार थर्टी फर्स्ट के उत्सव को ध्यान में रखकर वडोदरा शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में पुलिस द्वारा चेकिंग शुरू की गई । जबकि कई क्षेत्रों में तो थर्टी फर्स्ट का उत्सव पर प्रतिबंध लगाया गया । इस दौरान देर रात को चार दरवाजा क्षेत्र में चेकिंग के दौरान भाजपा की महिला कॉर्पोरेटर जेलमबहन चौकसी का बेटा कृणाल चौकसी शराब पीए हालत में पकड़े जाने पर इसे सिटी पुलिस स्टेशन में ले जाया गया । जेलमबहन को इस मामले की जानकारी होने पर समर्थकों और परिवार के साथ पुलिस स्टेशन पहुंच गये । पुलिस स्टेशन पहुंचकर जेलमबहन कलंकित होने के बदले विवाद करने लगी और कहने लगी कि, शराब पीने का कोई बड़ा अपराध नहीं है कि, आप सभी ने इसे घेर लिया है । दूर हट जाओ, यह कहकर हंगामा करने लगी । इस मामले का विडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ है ।

इस दौरान पुलिस के साथ खींचतान हुई थी । जिसमें एक पुलिस कर्मचारी का जैकेट भी फट गया यह जानकारी मिली है । वायरल विडियो में भाजपा महिला कॉर्पोरेटर और पुलिस कर्मचारियों के बीच क्या वादविवाद हुआ यह भी स्पष्ट रूप से सुना जाता है । इसके साथ यह भी जानकारी मिली है कि, जेलमबहन ने बेटे को पीटा है कहकर पुलिस कर्मचारी पर बरस गई । दूसरी तरफ पुलिस ने कहा है कि, बदमाशी करती हो यह उचित नहीं है । आप कॉर्पोरेटर है तो क्या हो गया । गुजरात में हर वर्ष थर्टी फर्स्ट की रात को कई शराब पीए हालत में पकड़े जाते हैं ।

इटली पहुंचकर बताया असली रंग

बहरी गूंगी पत्नी से पति दहेज के तहत ५० लाख मांगता

सोला साइंस सिटी में रहती बहरी गूंगी पत्नी ने इटली में रहते अपने बहरे गूंगे पति के विरूद्ध शिकायत दर्ज कराई

अहमदाबाद, १ जनवरी ।

शहर के सोला साइंस सिटी में रहती बहरी गूंगी पत्नी ने इटली में रहते अपने बहरे गूंगे पति के विरूद्ध शिकायत दर्ज कराई है । महिला पश्चिम पुलिस स्टेशन में महिला ने शिकायत की है कि, इसके बहरे-गूंगे पति ने शादी के बाद इटली ले जाने का कहकर नहीं ले जाने पर दोनों के बीच झगड़ा शुरू हुआ था ।

बहरी-गूंगी पत्नी से इसका पति दहेज के तहत ५० लाख रुपया मांगता था । जिसके बाद पति ने पत्नी से तलाक मांगा था । अब अहमदाबाद के साइंस सिटी रोड पर रहते एक परिवार में ३० वर्षीय बहरी-गूंगी युवती अपने मां-पिता के साथ रहती है । यह युवती को सोशल मीडिया पर एक युवक के साथ प्रेम हुआ था । बहरी -गूंगी युवती फेसबुक पर एक बहरे-गूंगे युवक के संपर्क में में आयी थी । दोनों के बीच की दोस्ती प्रेम में बदल गई थी ।

जिसकी वजह से दोनों ने सहमति से गत ३१ मार्च को शादी की थी । मूल भारतीय यह युवक इटली में रहता था । शादी के चार दिन वह युवती के घर पर अपने ससुराल में रहा था । लेकिन बाद में इसने युवती के साथ झगड़ा करना शुरू किया । उसने झगड़े में दहेज की मांग शुरू की थी । जिसके बाद वह घर से निकल गया था । युवक अहमदाबाद से पंजाब और वहां से इटली वापस आया था । लेकिन इटली पहुंचने के बाद युवक का व्यवहार बदल गया । उसने युवती को इटली बुलाने की बात की । लेकिन बाद में वह झगड़ा करके इस बात को टाल देता था । झगड़े में उसने युवती को कह दिया कि, तु मुझे अच्छी नहीं लगती है । मैंने तेरे साथ शादी करके भुल की है । मुझे इटली में दूसरी महिला के साथ संध है । इसी वजह से मुझे अब तेरे में कोई रूचि नहीं है । तेरे परिवार ने मुझे ५० लाख का दहेज नहीं दिया है । यदि तु मुझे दहेज नहीं देगी तो मैं तुझे इटली नहीं आने दूंगा । इस तरह युवक की बात सुनकर बहरी-गंगी पत्नी के पैर से नीचे से जमीन खिसक गई थी । उसने पति के खिलाफ पुलिस शिकायत करने का निश्चय किया । अन्य युवती के प्रेम में रहे पति ने पत्नी से तलाक की मांग की थी ।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95